mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-2 अंक-36 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
06 फरवरी2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

दो चरणों में पूरी होगी जनगणना, प्रक्रिया और जातिगत गणना का खाका तैयार

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की बहुप्रतीक्षित आगामी जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने संसद में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर जानकारी दी है कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू होते ही तत्काल जाति जनगणना शुरू नहीं की जाएगी, बल्कि इसके लिए देशवासियों को दूसरे चरण का इंतजार करना होगा। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि जाति से संबंधित विशिष्ट सवालों को दूसरे चरण की शुरुआत से ठीक पहले अधिसूचित किया जाएगा। गृह मंत्रालय के अनुसार, इस विशाल राष्ट्रीय कार्य को दो मुख्य हिस्सों में विभाजित किया गया है। योजना के मुताबिक, पूरे देश में जनसंख्या की वास्तविक गिनती का काम मुख्य रूप से फरवरी 2027 में शुरू किया जाएगा। हालांकि, भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी व बर्फीले राज्यों के दुर्गम इलाकों में यह प्रक्रिया सितंबर 2026 में ही शुरू कर दी जाएगी। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी दिसंबर 2025 में ही सार्वजनिक कर दी गई थीलेकिन कुछ वर्गों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के लिए सरकार ने दोबारा तारीखों और प्रक्रिया को स्पष्ट करना आवश्यक समझा है। जनगणना का पहला चरण मकान सूचीकरण (हाउसलिस्टिंग) और उनकी गणना पर केंद्रित होगा। इस चरण के लिए सरकार ने 22 जनवरी को 33 प्रश्नों की एक सूची अधिसूचित की है।

दिल्ली धमाका मामला: अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी गिरफ्तार

नई दिल्ली ,एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को जालसाजी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा दर्ज कराई गई दो अलग-अलग प्राथमिकियों (एफआईआर) के आधार पर की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कामकाज में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिली थीं, जिसके बाद पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी थी। इस पूरे मामले की जड़ें सुरक्षा से जुड़े एक बेहद संवेदनशील घटनाक्रम से जुड़ी हैं। पुलिस के अनुसार, इस फर्जीवाड़े की जांच का सिलसिला लाल किले के समीप हुए एक धमाके के बाद शुरू हुआ था। उस घटना के बाद जब सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस ने कड़ियों को जोड़ना शुरू किया, तो अल-फलाह यूनिवर्सिटी के संचालन में कई संदिग्ध अनियमितताएं और दस्तावेजी जालसाजी के तथ्य सामने आए। इसी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर गहन तफ्तीश शुरू की। उल्लेखनीय है कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी सक्रिय है और उसने वित्तीय हेरफेर के कोण से अपनी जांच पहले ही शुरू कर दी थी।

किसानों के हित पूरी तरह से सुरक्षित

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय के अटके व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी से फोन पर बातचीत के बाद इसकी घोषणा की। हालांकि विपक्ष लगातार ट्रेड डील पर सवाल उठा रहा है कि कृषि क्षेत्र को खोलने से किसानों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। जिस पर अब कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का बयान आया है।

भारतीय किसानों के हित पूरी तरह से सुरक्षित- कृषि मंत्री : न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बारे में अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के एक्स पोस्ट पर कहा कि, हमारे मंत्री पीयूष गोयल ने भी संसद में सारी स्थिति स्पष्ट कर दी है। मैं फिर दोहराता हूं कि भारतीय किसानों के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं। चाहे वे छोटे किसान हों या बड़े किसान, हमारे सभी कृषि उत्पाद सुरक्षित रहेंगे। ऐसी किसी भी चीज के लिए बाजार नहीं खोला गया है।

कांग्रेस के दावों पर कृषि मंत्री शिवराज का बयान

वहीं भारत के कृषि क्षेत्र, खासकर किसानों पर अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के असर के बारे में शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा, यह व्यापार समझौता कूटनीति, विकास और सम्मान का एक नया उदाहरण है। हम विवाद नहीं, संतुलित संवाद में विश्वास करते हैं। किसानों के हितों की पूरी तरह से संरक्षित किया गया है। किसानों के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

विपक्ष पर गलत सूचना फैलाने का आरोप : उन्होंने आगे कहा कि, हमारे मुख्य अनाज, फल, प्रमुख फसलें और बाजरा सब सुरक्षित हैं। डेयरी उत्पाद सुरक्षित हैं। कृषि मंत्री ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन पर गलत सूचना फैलाने और अंध विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता और अव्यवस्था का माहौल बनाने के लिए अफवाहें फैलाई गईं। कृषि मंत्री ने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस और विपक्ष निराश हैं। मानसिक रूप से परेशान हैं। वे मैदान मुकाबला नहीं कर सकते। इसलिए अंधाधुंध विरोध कर रहे हैं। वे अफवाहें फैलाकर अराजकता का माहौल पैदा करना चाहते हैं। जब कपड़ा निर्यात बढ़ेगा, तो कपास किसानों को फायदा होगा।

राहुल गांधी-बिट्टू विवाद पर बोले शिवराज

वहीं संसद के मकर द्वार पर एक दिन पहले यानी बुधवार (04 फरवरी) को हुई राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री के बीच हुई नोकझोंक पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, आज मेरा मन दर्द और पीड़ा से भरा हुआ है। मैं यह देखकर हैरान हूं कि नेता प्रतिपक्ष (राहुल गांधी) एक मंत्री को गद्दार कह रहे हैं। ऐसे तुच्छे टिप्पणी कर रहे हैं। वे पीएम के पद का अपमान कर रहे हैं। ये छिछोरापन है।

यूपी में चाइनीज मांझे से मौत अब हत्या मानी जाएगी,योगी अफसरों पर भड़के

पूछा- बैन के बाद कैसे बिक रहा; लखनऊ में छापेमारी

लखनऊ,एजेंसी। सीएम योगी के सख्त तेवर के बाद लखनऊ में पुलिस अफसर हरकत में आ गए हैं। लखनऊ के पश्चिमी जोन में ACP, DCP और ADCP ने फोर्स के साथ पतंग की दुकानों पर छापा मारा है। बाजारखाला थाना क्षेत्र में चाइनीज मांझे रिकवर किए गए हैं। दरअसल, चाइनीज मांझे से हो रहीं मौतों पर सीएम योगी अफसरों पर भड़क गए। उन्होंने अफसरों से पूछा कि बैन के बाद भी बाजार में मांझा कैसे बिक रहा है। इस पर तत्काल रोक लगाई जाए।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा- अब चाइनीज मांझे से मौत होने को हत्या माना जाएगा। पुलिस प्रमुखों को जिलेवार छापेमारी करने के निर्देश दिए।

दरअसल, बैन के बाद भी यूपी में धड़ल्ले से चाइनीज मांझे बिक करे। प्रदेश में बीते एक साल में 8 लोगों की जान जा चुकी है। बुधवार को ही लखनऊ में रूक्र का गला कट गया था। इनकी तड़प-तड़कर मौत हो गई थी।

योगी ने क्या-क्या कहा? योगी ने कहा- अब

अगर चाइनीज मांझे से किसी की जान जाती है तो हत्या का केस दर्ज कर जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। चाइनीज मांझे की जब्ती के लिए पूरे प्रदेश में यूपी पुलिस सघनता से अभियान चलाएगी।

सीएम ने साफ किया कि चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध है। इसकी बिक्री और इस्तेमाल किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। योगी ने पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिया कि इस अवैध नेटवर्क की पहचान करें। तत्काल छापेमारी कर दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें।

महंगाई भत्ते के हक पर अदालत ने कहा, यह लागू करने योग्य अधिकार

पश्चिम बंगाल से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल सरकार और उसके कर्मचारियों के बीच लंबे समय से महंगाई भत्ते (DA) के भुगतान को लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे में गुरुवार (04 फरवरी) को शीर्ष अदालत ने बंगाल सरकार को झटका देते हुए करीब 20 लाख कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि महंगाई भत्ते का भुगतान लागू करने योग्य अधिकार (Enforceable Right) है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि 2008 से 2019 तक की अवधि का ष्ठ बकाया भुगतान किया जाना चाहिए। अंतरिम आदेश का उल्लेख करते हुए कोर्ट ने इस बात को भी साफ किया कि कुल बकाए की कम से कम 25% राशि 6 मार्च तक जारी कर दी जानी चाहिए।

चार सदस्यीय समिति गठित करने का आदेश

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने यह आदेश दिया। पीठ ने राज्य सरकार को शेष 75 प्रतिशत महंगाई भत्ते पर निर्णय लेने के लिए चार सदस्यीय समिति गठित करने का भी आदेश दिया है। बता दें कि इसी बेंच ने पिछले साल अगस्त में इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पिछले साल 16 मई को पारित एक अंतरिम आदेश में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को अपने कर्मचारियों को महंगाई भत्ता का 25 प्रतिशत तीन महीने के भीतर भुगतान करने का निर्देश दिया था।

यूपीएससी-सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद

रैंक सुधारने का मौका सिर्फ एक बार; नए नियम 2026 से लागू

नई दिल्ली,एजेंसी। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 का नोटिफिकेशन बुधवार को जारी किया है। आयोग ने इस बार 933 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया है। आवेदन की आखिरी तारीख 24 फरवरी है। परीक्षा केंद्र में फेस ऑथेंटिकेशन के बाद ही एंट्री दी जाएगी। इस बार प्रयास और पात्रता से जुड़े नियमों में भी बड़ा बदलाव किया गया है।

इसके मुताबिक अब सिलेक्शन के बाद दोबारा परीक्षा देने की आजादी पहले जैसी नहीं रहेगी। नए प्रावधानों में सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद कर दिया गया है।

वहीं, IAS और IFS को लेकर पुराने नियम जस के तस रखे गए हैं।

चयनित अफसर को एक बार परफॉर्मेंस बेहतर करने का मौका मिलेगा। जैसे किसी का 2026 में IPS में सिलेक्शन हुआ तो वह 2027 में परफॉर्मेंस बेहतर करने की परीक्षा देने का पात्र होगा। उसके बाद अगर वह परीक्षा देना चाहता है तो उसे सेवा से इस्तीफा देना होगा।

मणिपुर की नई डिप्टी सीएम नेमचा किपगेन का विरोध,कुकी ग्रुप्स ने बंद बुलाया

नई दिल्ली/इंफाल,एजेंसी। मणिपुर में विधानसभा का नया सत्र शुरू। यह सत्र नए मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के शपथ ग्रहण के एक दिन बाद बुलाया गया है। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने गुरुवार शाम 4 बजे से सत्र बुलाया है। इधर, दिल्ली में बुधवार शाम को कुकी-जो समूह से जुड़े लोगों ने मणिपुर भवन के बाहर प्रदर्शन किया। मणिपुर में जॉइंट फोरम ऑफ सेवन (JF7) ने शुक्रवार को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक कुकी बहुल इलाकों में बंद का आह्वान किया है।

ये विरोध प्रदर्शन कुकी समुदाय से आने वाली उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन का किया जा रहा है। कुकी-जो परिषद ने कहा है कि यदि समुदाय

का कोई विधायक सामूहिक फैसले के खिलाफ सरकार में शामिल होता है, तो उसके फैसले की जिम्मेदारी संगठन की नहीं होगी।

बीरेन सरकार में मंत्री रह चुकी हैं नेमचा किपगेन : नेमचा किपगेन कांगपोकपी से भाजपा विधायक हैं और इससे पहले बीरेन सिंह सरकार में सामाजिक कल्याण, सहकारिता, वाणिज्य, उद्योग और वस्त्र विभाग की मंत्री रह चुकी हैं। जातीय हिंसा के दौरान इम्फाल में उनका सरकारी आवास जला दिया गया था। वे उन 10 कुकी-जो विधायकों में शामिल हैं, जिन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों के लिए अलग प्रशासन की मांग की थी। नेमचा के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद मणिपुर के कुकी बहुल कांगपोकपी जिले में बुधवार रात प्रदर्शन हुए। लेइमाखोंग के पास प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध जताया। कुछ कुकी संगठनों ने भी समुदाय के विधायकों को सरकार गठन से दूर रहने की चेतावनी दी है।

तमिलनाडु के मिनिस्टर बोले-उत्तर भारतीय यहां पानीपुरी बेचते हैं

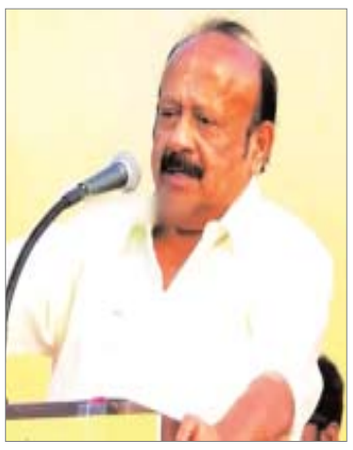

उन्हें सिर्फ हिंदी आती है; हमारे बच्चे तमिल-अंग्रेजी जानते हैं, विदेश में करोड़ों कमा रहे

चेन्नई ,एजेंसी। तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने कहा कि उत्तर भारत से आए लोग सिर्फ हिंदी जानते हैं, इसलिए उन्हें अच्छी नौकरियां नहीं मिलतीं। वे तमिलनाडु आकर टेबल साफ करने, मजदूरी करने या पानी पूरी बेचने जैसे काम करते हैं। पन्नीरसेल्वम ने बुधवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) की वजह से हमारे बच्चे अमेरिका, लंदन जैसी जगहों पर जाकर करोड़ों कमा रहे हैं। बीजेपी और दूसरी विपक्षी पार्टी DMK नेता के इस बयान का विरोध कर रहे है। तमिलनाडु बीजेपी ने सोशल मीडिया X पर पन्नीरसेल्वम की वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि यह केवल एक व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं है, बल्कि एक पैटर्न बन चुका है। भाजपा ने कहा- DMK के कई नेता प्रवासी मजदूरों का, विशेषकर उत्तर भारतीय या हिंदी बोलने वालों का बार-बार मजाक उड़ा चुके हैं। ऐसे में जब तमिलनाडु में प्रवासी मजदूरों के खिलाफ हिंसा बढ़ रही है, इस तरह के बयान गैर-जिम्मेदाराना और खतरनाक हैं।

राज्यसभा में मोदी की स्पीच के दौरान विपक्ष का वॉक आउट...

पीएम बोले: इनके वक्त डील का मतलब बोफोर्स था, आज डील गर्व का विषय

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दे रहे हैं। स्पीच के दौरान विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्षी नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी को बोलने दिया जाए, तानाशाही नहीं चलेगी। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि खड़गेजी की उम्र देखते हुए उन्हें बैठकर नारे लगाने की इजाजत दी जाए। इसके बाद विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। मोदी ने कहा कि इन लोगों को कभी न कभी जवाब देना होगा। कांग्रेस के पास न सोच थी, न विजन और न इच्छाशक्ति, इसका परिणाम देश को भुगतना पड़ा।

PM बोले- टीएमसी, कांग्रेस, लेफ्ट, डीएमके दशकों से केंद्र में सत्ता का हिस्सा रहे। उनकी पहचान क्या बनी, उनके वक्त

डील के नाम पर बोफोर्स याद आता है। आज डील की चर्चा गौरव से होती है। प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार शाम 5 बजे लोकसभा में भी स्पीच देनी थी, लेकिन विपक्ष के विरोध चलते स्पीकर ओम बिरला ने भाषण टाल दिया। स्पीकर ने कहा कि सदन में पीएम के साथ कुछ अप्रत्याशित घटना हो सकती थी। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास हो गया। 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है।

प्रियंका बोलीं- राहुल को बोलने दें, वे डर यों रहे

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- उन्हें LoP को बोलने देना चाहिए। उन्हें राहुल गांधी को बोलने देना चाहिए। वे किस बात से डर रहे हैं। क्या वे इस बात से डर रहे हैं कि वह किसी किताब से कुछ कोट करेंगे। क्या वे इस बात से डर रहे हैं कि हम उन्हें जवाबदेह ठहराएंगे क्योंकि उन्होंने यह ट्रेड डील की है, जिसके तहत सभी किसानों की जिंदगी बर्बाद होने वाली है।

खड़गे के लिंचिंग वाले कमेंट पर भड़की वि मंत्री सीतारमण

राज्यसभा में निर्मला सीतारमण ने कहा- मैं LoP का सम्मान करती हूं। लेकिन मैंने सुना उन्होंने कहा कि तुम लोग लिंच करते हो, माफ कीजिए लेकिन मैं चाहूंगी कि ये शब्द हटाए जाएं। LoP को कोई अधिकार नहीं है कि ऐसी बातें कहें। दूसरी बात यदि ये लिंचिंग की बात करते हैं। मैं इन्हें याद दिलाना चाहूंगी कि राजस्थान में इनकी सरकार थी, वहां BJP की महिला कार्यकर्ता के साथ अत्याचार हुआ था, तब आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती थी। सीतारमण ने कहा- जब हमारी पार्टी की प्रवक्ता नूपुर शर्मा को लिंच करने की धमकी मिली तब कांग्रेस ने क्या किया। जब राजस्थान में टेलर कन्हैया लाल की हत्या हुई तब भी वे चुप रहे। जब केरल में जोसेफ फादर के दोनों हाथ काट दिए गए तब कांग्रेस ने क्या किया। वे सिर्फ दूसरों की बात करते हैं, अपनी चीजों को छिपाते हैं।

रेलवे का बड़ा फैसला:जम्मू-कश्मीर में 3 रेल प्रोजेक्ट रोके

सेब के 7 लाख पेड़ बचाने की कोशिश; स्थानीय लोगों ने जताई थी आपत्ति

श्रीनगर,एजेंसी। रेल मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर में प्रस्तावित तीन परियोजनाओं को रोक दिया है। रेलवे ने दिसंबर 2023 में कश्मीर में तीन नई लाइनों के सर्वे को मंजूरी दी थी। ये रेल लाइनें थीं- सोपोर-कुपवाड़ा (33.7 किमी), अवंतीपोरा-शोपियां (27.6 किमी) और अनंतनाग-बिजबेहारा-पहलगाम (77.5 किमी)। हालांकि स्थानीय लोगों और सरकार की आपत्ति के बाद सर्वे रोक दिया गया है।

मालूम हो, श्रीनगर से बारामूला तक एक ट्रैक मौजूद है। प्रस्तावित तीनों लाइन घाटी के प्रमुख बागवानी जिलों से गुजरने वाली थीं। इनमें शोपियां, पुलवामा, अनंतनाग शामिल हैं। किसान इसलिए विरोध कर रहे थे क्योंकि यहां ट्रैक बिछाए जाने से 7 लाख से अधिक सेब के पेड़ काटे जाते। इतनी कृषि भूमि के नुकसान से हजारों परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाता।

...ताकि सेब के बागानों को नुकसान से बचाया जा सकेकेंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि तीन रेल प्रोजेक्ट जम्मू-कश्मीर सरकार और सांसदों की सिफारिश के बाद फिलहाल रोक दिए गए हैं, ताकि सेब के बागानों को नुकसान से बचाया जा सके।

रेल लाइन इन इलाकों को छूकर निकल जाती : जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला का कहना है कि मकसद अगर पहलगाम के रास्ते लद्दाख या शोपियां के जरिए राजौरी व पुंछ को जोड़ना होता, तो विचार कर सकते थे। रेल लाइन इन इलाकों को छूकर निकल जाती।

एनसीपी विलय की चर्चा के बीच सुनेत्रा पवार के घर पहुंचे शरद पवार, पार्थ और जय संग हुई गुफ्तगू

बारामती, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार बारामती पहुँचे, जहां उन्होंने अपने दिवंगत भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री रहे अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित पुनर्मिलन को लेकर अटकलें तेज हैं। शरद पवार ने बारामती में सहयोग सोसायटी स्थित सुनेत्रा पवार के आवास पर जाकर अजित पवार को पुष्पांजलि दी। इस दौरान पवार परिवार के कई सदस्य भी वहां मौजूद थे, जिनमें अजित पवार के दोनों बेटे पार्थ और जय पवार और भतीजे विधायक रोहित पवार भी शामिल हैं।

पीटीआई के अनुसार, शरद पवार मंगलवार देर रात ही बारामती पहुँच गए थे। इसके बाद उन्होंने शहर में आयोजित शोक सभा में भी हिस्सा लिया। हालांकि, इस बात की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई कि उनकी सुनेत्रा पवार से अलग से कोई राजनीतिक बातचीत हुई या नहीं। यह दौरा इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि कुछ ही दिन पहले सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। शपथग्रहण के बाद शरद पवार ने सार्वजनिक रूप से खुशी जताते हुए कहा था कि यह एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम है। बंद कमरे की बैठक ने बढ़ाई अटकलें इसी दौरान एक बंद कमरे में शरद पवार की अजित पवार के दोनों बेटों पार्थ और जय के साथ बैठक भी हुई। यह बैठक बारामती के विद्या प्रतिष्ठान परिसर में करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के एजेंडे को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया, लेकिन सूत्रों का कहना है कि बातचीत में एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय और आगामी जिला परिषद चुनावों पर चर्चा हो सकती है।

फरवरी 12 की तारीख और अधूरी घोषणा : अजित पवार की मृत्यु के बाद शरद पवार गुट के नेताओं ने दावा किया है कि एनसीपी के पुनर्मिलन की बातचीत अंतिम चरण में थी, और अजित पवार ने 12 फरवरी को इसके ऐलान की तारीख भी तय कर ली थी। शरद पवार ने भी मीडिया से कहा कि विलय की बातचीत का नेतृत्व जयंत पाटिल और अजित पवार कर रहे थे। हालांकि इस पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर बातचीत सच में आगे बढ़ चुकी थी, तो अजित पवार ने इसकी जानकारी उन्हें जरूर दी होती।

राष्ट्रव्यापी अस्थि कलश यात्रा' की शुरुआत : एक अन्य कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की युवा इकाई ने बुधवार को अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए चार दिवसीय राष्ट्रव्यापी अस्थि कलश यात्रा की शुरुआत की है। इस यात्रा के तहत, पवार की अस्थियों को कश्मीर से कन्याकुमारी तक देशभर की प्रमुख नदियों में और धार्मिक स्थलों पर विसर्जित किया जायेगा। इस दौरान यात्रा 10 से अधिक राज्यों से होकर गुजरेगी। श्रद्धांजलि, पारिवारिक मुलाकात और राजनीतिक बैठकों का यह संयोग बताता है कि बारामती एक बार फिर महाराष्ट्र की राजनीति का केंद्र बन चुकी है। बता दें कि पुणे जिले के बारामती में 28 जनवरी को हुए विमान हादसे में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी।

राजा रघुवंशी मर्डर केस में नया मोड़, दो आरोपी हुए रिहा

इंदौर , एजेंसी। बहुचर्चित ट्रांसपोर्टर राजा रघुवंशी हत्याकांड में नया मोड़ आया है। साक्ष्य मिटाने के आरोप में गिरफ्तार दो लोगों को शिलांग पुलिस ने अब निर्दोष माना है। विस्तृत जांच में उनके खिलाफ न तो हत्या में सहयोग से संबंधित कोई साक्ष्य मिला, न ही साक्ष्य नष्ट करने की पुष्टि हो सकी। पुलिस ने मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें दोनों आरोपितों के नाम शामिल नहीं हैं। वे पहले से जमानत पर बाहर हैं। पुलिस अधिकारियों ने मामला जल्द ही ट्रायल के लिए सूचीबद्ध किए जाने के संकेत दिए हैं। हनीमून पर राजा रघुवंशी की हत्या के बाद सोनम इंदौर आई थी। यहां वह एक किराये के फ्लैट में कुछ दिन रुकी थी। मामले में शिलांग पुलिस ने बिल्डिंग के सिक्योरिटी गार्ड बलवीर अहिरवार, बिल्डिंग मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर और फ्लैट ब्रोकर शिलोम जेम्स को गिरफ्तार किया था। हालांकि, अब शिलांग की ईस्ट खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेक सिएम ने बताया कि विस्तृत जांच में बलवीर और लोकेंद्र की कोई भूमिका सामने नहीं आई, इसलिए उन्हें आरोपमुक्त किया गया है।

केरल में विस्फोटकों के 100 से अधिक बक्से जब्त, वाहन चालक हिरासत में

पलक्कड़, एजेंसी। पलक्कड़ कस्बे के पास विस्फोटकों के 100 से अधिक बक्से ले जा रही एक पिक-अप वैन जब्त की गई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वाहन से जिलेटिन स्टिक के 100 से अधिक बक्से और डेटोनेटर के 20 से अधिक बक्से बरामद हुए। विस्फोटकों के बक्से तरबूजों की खेप के नीचे छिपाए गए थे और यह घटना बुधवार रात करीब नौ बजे हुई। वाहन चालक को हिरासत में ले लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान चालक ने बताया किया कि उसने बक्से कोयंबटूर से लादे थे और उन्हें त्रिशूर की एक खदान में ले जा रहा था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस के कहने पर भी चालक ने वाहन नहीं रोका। इसके बाद वाहन का पीछा किया गया। पुलिस ने इस सूचना के बाद वाहनों की जांच के दौरान पिक-अप वैन को रोका कि राज्य में बड़ी मात्रा में विस्फोटक अवैध रूप से लाए जा रहे हैं। चालक के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

यमुना सिटी का दिखेगा स्मार्ट अवतार, नोएडा एयरपोर्ट के पास एआई सिटी की तैयारी

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा की यमुना सिटी का स्मार्ट अवतार दिखेगा। नोएडा एयरपोर्ट के पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हब (सिटी) बनाने की तैयारी है। इसके लिए हैदराबाद की एएम ग्रीन कंपनी ने नोएडा एयरपोर्ट के पास 250 एकड़ जमीन की मांग की। कंपनी के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को क्षेत्र का दौरा भी किया। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ ने यह जानकारी दी। यीडा के सीईओ आरके सिंह ने बताया कि यमुना सिटी में एआई हब की नींव बीते दिनों दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक के दौरान पड़ी थी। इस दौरान एएम ग्रीन कंपनी ने उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से मुलाकात कर राज्य में एआई हब विकसित करने की इच्छा जताई थी।

यीडा पहुंचा प्रतिनिधिमंडल : इसके चलते बुधवार को कंपनी के ईवीपी एवं सीईओ नवजीत गिल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल यीडा पहुंचा। यहां उन्होंने सीईओ आरके सिंह से मुलाकात की। इस दौरान सीईओ ने प्रतिनिधिमंडल को यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टरों, बेहतर कनेक्टिविटी, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और क्षेत्र से गुजरने वाले विभिन्न एक्सप्रेसवे की जानकारी दी।

एआई हब के लिए साढ़े तीन लाख करोड़ से अधिक का निवेश : कंपनी को बताया गया कि यमुना सिटी निवेश के लिए उपयुक्त स्थान है। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने यमुना सिटी का भ्रमण कर सेक्टर-8 और 28 के आसपास की भूमि को देखा और क्षेत्र का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा काफी सकारात्मक बताया गया। कंपनी एआई हब के लिए करीब साढ़े तीन लाख करोड़ से अधिक का निवेश करेगी।

डाटा सेंटर और रिसर्च लैब भी बनेगी : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हब में एआई डाटा सेंटर, रिसर्च लैब, स्टूडियो, स्टार्टअप और अन्य बड़ी एआई कंपनियों के कार्यालय स्थापित किए जाएंगे। यहां एआई मॉडल डेवलपमेंट, डाटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, रिसर्च एंड इनोवेशन और विभिन्न उद्योगों के लिए एआई आधारित समाधान विकसित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के बाद यह दूसरा एआई हब होगा।

कंपनी को पसंद आया क्षेत्र : यीडा के सीईओ आरके सिंह ने कहा कि कंपनी के प्रतिनिधिमंडल को एआई सिटी के लिए क्षेत्र पसंद आया। वह यहां अपनी यूनिट स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाएगी। प्रतिनिधिमंडल को क्षेत्र में निवेश के लिए सरकार से मिलने वाली छूट के बारे में बताया गया।

बजट में छूट से पंख लगेंगे : इस बार केंद्रीय बजट में डाटा सेंटर स्थापित करने वाली कंपनियों के लिए क्लाउड सेवाओं में कर छूट 2047 तक देने की घोषणा की गई है। इससे नोएडा, ग्रेनो और यमुना सिटी में भी क्षेत्र से जुड़ी और कंपनियां शुरू हो सकेंगी। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में अभी करीब 11 डाटा सेंटर के लिए भूखंड आवंटित हैं। इनमें डाटा सेंटर संचालित हैं। आने वाले दिनों में और भूखंड आवंटित किए जाने हैं। एआई सिटी में भी डाटा आधारित कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा।

नोएडा सेक्टर-62 के गोलचक्कर पर जाम से मिलेगी निजात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को जोड़ते हुए सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर पर स्काईवॉक बनाया जाएगा। यह जीरो आकार में बनाया जाएगा। इससे मॉडल टाउन गोलचक्कर पर जाम कम होगा। स्काईवॉक बनाने के लिए बुधवार को शिलान्यास हुआ। यह करीब डेढ़ साल में बनकर तैयार होगा।

इस स्काईवॉक को बनाने में सिविल के काम पर 26 करोड़ 34 लाख और बिजली के काम पर करीब 8 करोड़ का खर्चा आएगा। स्काईवॉक को बनाने में करीब 34 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा।

कितना विशाल होगा यह स्काईवॉक : यह स्काईवॉक 530 मीटर लंबा और 4 मीटर चौड़ा होगा। इसमें दो जगह एस्कीलेटर व दो जगह लिफ्ट लगाई जाएगी।

इसका निर्माण एसटी कंस्ट्रक्शन को दिया गया है। निर्माण एजेंसी सबसे पहले पिलर की पाइलिंग का काम शुरू करेगी। इसका निर्माण एमएस स्ट्रक्चर से किया जाएगा।

इन लोगों को होगा बड़ा लाभ : नोएडा के महाप्रबंधक एसपी सिंह ने बताया स्काईवॉक बन जाने से नोएडा, गाजियाबाद, वैशाली, इंदिरापुरम व दिल्ली की ओर आने वाले पैदल लोगों को सुविधा मिलेगी। इससे लोगों का सफर भी सुरक्षित रहेगा। अभी इस गोलचक्कर पर पैदल लोगों का आवागमन काफी है। इससे जाम की समस्या भी होती है।

चार जगहों पर एंट्री एक्जिट : महाप्रबंधक ने बताया कि इस स्काईवॉक पर चार स्थानों पर चढ़ने-उतरने की व्यवस्था रहेगी। इनमें सेक्टर-62 की ओर, सेक्टर-63 की ओर व दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से दो स्थानों से लोग इसका प्रयोग कर सकेंगे। इस स्काईवॉक को अभी एक्सप्रेसवे पर खोडा कॉलोनी की ओर बने फुट ओवर ब्रिज से जोड़ा जाएगा। इससे लोग एक्सप्रेसवे के दूसरी तरफ भी आसानी से आ-जा सकेंगे।

शिलान्यास पर ये नेता रहे मौजूद : बुधवार को मॉडल टाउन गोलचक्कर पर हुए शिलान्यास कार्यक्रम में सांसद डॉ महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, भाजपा के महानगरध्यक्ष महेश चौहान, एसीईओ वंदना त्रिपाठी व सतीश पाल के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

छिजारसी की ओर बनेगा भी बनेगा एफओबी : दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर एक और फुट ओवर ब्रिज-एफओबी-बनाया जाएगा। यह एफओबी छिजारसी की ओर एक्सप्रेसवे को पार करते हुए बनाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि जिस जगह यह एफओबी बनाया जाएगा, वहां दोनों तरफ काफी संख्या में लोग बसें पकड़ने के लिए सड़क पार करते हैं।

एहसान अली ने दुर्गा मंदिर और मरी माई धाम के लिए दान की 50 लाख रुपये की जमीन

सुलतानपुर, एजेंसी। जहां एक ओर दुनिया भर से धर्म और जमीन के नाम पर झगड़ा-फसाद की खबरें आती हैं, वहीं सुलतानपुर के एक मुस्लिम समाजसेवी ने अपनी दरियादिली से भाईचारे की नई इबारत लिख दी है। शहर से सटे वल्लीपुर कस्बे में समाजसेवी सैयद एहसान अली उर्फ मुन्ना ने अपनी करीब 50 लाख रुपये मूल्य की 1960 वर्गफुट जमीन मंदिर और आम रास्ते के लिए दान कर दी है। नगर क्षेत्र के घरहां खुर्द निवासी एहसान अली मुन्ना ने सदर तहसील के वल्लीपुर में गाटा संख्या 274 में यह भूमि खरीदी थी। घनी आबादी के बीच स्थित इस बेशकीमती जमीन का उपयोग उन्होंने किसी व्यावसायिक लाभ के बजाय जनहित में करने का फैसला किया। एहसान अली मुन्ना क्षेत्र के जाने-माने चेहरे हैं। वे वर्ष 2004 से 2009 तक पूर्व सांसद मो. ताहिर खां और 2009 से 2012 तक पूर्व पर्यटन मंत्री विनोद सिंह के जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। जनसेवा के अनुभव ने ही उन्हें इस नेक कार्य के लिए प्रेरित किया।

अमेरिकी कोर्ट का फैसला, ओरेगन में बिना वारंट अप्रवासी को गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे आईसीई एजेंट

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड में एक फेडरल जज ने बुधवार को अहम फैसला सुनाया। उन्होंने कहा, ओरेगन में अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंटों को बिना वारंट के अप्रवासी लोगों को गिरफ्तार करना बंद करना होगा, जब तक कि उनके भागने की संभावना न हो।

कोर्ट ने लगाई रोक : अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज मुस्तफा कसुभाई ने इस मामले में शुरुआती रोक लगा दी है। यह फैसला एक प्रस्तावित क्लास-एक्शन मुकदमे के बाद आया है। यह मुकदमा होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के उस तरीके के खिलाफ था, जिसमें वे अप्रवासी को देखते ही पकड़ लेते थे। आलोचकों ने इसे 'पहले गिरफ्तार करो, बाद में सही ठहराओ' वाली नीति बताया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े पैमाने पर लोगों को देश से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच इमिग्रेशन एजेंट बिना कोर्ट वारंट के निजी घरों में घुस रहे हैं। इन कार्रवाइयों ने देश भर के नागरिक अधिकार समूहों की चिंता बढ़ा दी है।

बिना वारंट के गिरफ्तारी नहीं : पिछले हफ्ते इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के एक्टिंग हेड टॉड लियोन्स ने इस बात पर जोर दिया गया था कि एजेंटों को अपने अधिकारियों से जारी वारंट के बिना गिरफ्तारी नहीं करनी चाहिए, जब तक कि व्यक्ति के भागने का ठोस कारण न हो। इस मामले में जज के सामने सबूत पेश किए गए कि ओरेगन में एजेंटों ने छापों के दौरान बिना वारंट या बिना जांच किए लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक वादी, विक्टर क्रूज गेमज की गवाही भी शामिल है। विक्टर 56 साल के हैं और 1999 से अमेरिका में रह रहे हैं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि उनके पास काम करने का वैध परमिट था और वीजा की अर्जी भी पेंडिंग थी। इसके बावजूद उन्हें गिरफ्तार किया गया और तीन हफ्ते तक हिरासत केंद्र में रखा गया।

कोर्ट ने एजेंटों की हरकतों को बताया हिंसक और क्रूर : जज कसुभाई ने कहा कि ओरेगन में एजेंटों की हरकतें हिंसक और क्रूर रही हैं। उन्होंने बताया कि सिविल इमिग्रेशन उल्लंघन के लिए लोगों को हिरासत में लेते समय उन पर बंदूकें तानी गईं, जोकि गलत है। साथ ही जज ने चिंता जताई कि प्रशासन इमिग्रेशन छापों में पकड़े गए लोगों को उचित कानूनी प्रक्रिया से वंचित कर रहा है।

अमेरिका में टैक्सी चलाने को मजबूर पाकिस्तान के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम खान

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी इन दिनों गुजर-बसर करने के लिए अमेरिका में टैक्सी चलाने को मजबूर हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अमेरिका द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सरकार द्वारा उनकी संपत्ति और बैंक खाते जब्त किए जाने के बाद वह अब अमेरिका में ड्राइविंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां ड्राइवर के रूप में काम करते हुए मुझे वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन ईमानदारी से जीविका कमाने पर मुझे गर्व है। जारी वीडियो में बताया गया है कि कासिम खान सूरी को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन करने के कारण दजनों फर्जी मामलों में फंसा दिया गया। उनकी संपत्ति और बैंक खातों की जब्ती कर ली गई। साथ ही पाकिस्तान से जबरन खदेड़ दिया गया।

लोगों के लिए खड़े होने पर कीमत चुकाई : कासिम खान ने कहा कि यह वह कीमत है जो कई लोगों ने केवल इमरान खान के साथ लोकतंत्र, कानून के शासन और पाकिस्तान के लोगों के सम्मान के लिए खड़े होने के कारण चुकाई है। सूरी ने इमरान खान के खिलाफ चल रहे फर्जी अदालती मामलों पर चिंता जताई। सूरी ने आगे कहा कि मौजूदा पाकिस्तानी सरकार का अन्याय और कुकर्म सबके सामने है। उन्होंने बताया कि सभी पाकिस्तानी इस अन्याय के शिकार हैं। उन्होंने कहा कि देश में लोगों को जबरिया झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है।

सादगी और गरिमामय तरीके से जिया जीवन : पुराने वक्त को याद करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय उन्होंने इस्लामाबाद में कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीडीए) में एक महत्वपूर्ण पद संभाला था लेकिन इससे कभी कोई निजी संपत्ति अर्जित नहीं की। उन्होंने कहा मैंने अपना जीवन गरिमा और सादगी से जिया। सूरी ने बताया कि वर्ष 2018 से पहले वह क्वेटा स्थित अपने घर पर इमरान खान और आरिफ अल्वी जैसे वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियों की मेजबानी करने में सक्षम थे।

अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़े 200 से अधिक अवैध ऑनलाइन फार्मेसी डोमेन जब्त किए

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने ऑनलाइन फार्मेसियों से जुड़े भारत-आधारित एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक संगठन (टीसीओ) की 200 वेबसाइट के डोमेन को जब्त कर लिया है। अमेरिका के ड्रग प्रवर्तन प्रशासन (डीईए) ने यह कार्रवाई की। डीईए के अनुसार, यह संगठन अमेरिका में काम कर रहा है और कथित तौर पर कम से कम छह जानलेवा और चार ओवरडोज के मामलों के लिए जिम्मेदार था। 27 जनवरी से शुरू होकर पूरे अमेरिका में डीईए अधिकारियों ने कई ऑपरेशन किए और चार लोगों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही, पांच तत्काल निलंबन आदेश और एक कारण बताओ नोटिस जारी किए। अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन प्रशासन ने कहा कि ये दोनों

प्रशासनिक कार्रवाई हैं, जो डीईए रजिस्टर्ड लोगों के खिलाफ सार्वजनिक स्वास्थ्य या सुरक्षा के खतरों से जनता की रक्षा के लिए की जाती हैं। ये कार्रवाई प्रशासन की ओर से 200 से ज्यादा ऑनलाइन फार्मेसियों को बंद करने के अलावा थीं, जिन पर बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के सैकड़ों-हजारों डायवर्टेड फार्मास्यूटिकल्स और नकली गोलियों के ऑर्डर भरने का आरोप था। नियंत्रित पदार्थ अधिनियम (सीएसए) के तहत, डीईए फार्मेसियों की हिरासत में नियंत्रित पदार्थ की हैंडलिंग, भंडारण और वितरण को विनियमित करता है। सीएसए में यह शर्त है कि फार्मेसियों को केवल वैध प्रिस्क्रिप्शन मिलने पर ही कंट्रोल्ड सब्सटेंस देने की अनुमति है, जो एक व्यक्तिगत प्रैक्टिशनर की ओर से अपने सामान्य पेशेवर अभ्यास के दौरान एक वैध चिकित्सा उद्देश्य के लिए जारी किया गया हो।

डीईए के अनुसार, जांच में पाया गया कि इन ऑनलाइन फार्मेसियों के ऑपरेटर और उनके सह-साजिशकर्ता बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के, पूरे अमेरिका में ग्राहकों को अवैध रूप से डायवर्टेड दवाएं बेच रहे थे और भेज रहे थे, जो सीएसए का उल्लंघन था और मरीजों को सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए डिस्ट्रीब्यूशन के एक बंद सिस्टम में खतरनाक तरीके से घुसपैठ कर रहे थे। इस जांच के दौरान डीईए ने हजारों ऐसे ग्राहकों की पहचान की, जिन्होंने इन ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से दवाएं खरीदी थीं। इसके बाद डीईए ने इस चल रही जांच के समर्थन में जानकारी मांगने के लिए जनता को 20 हजार से अधिक पत्र भेजे हैं। ड्रग प्रवर्तन प्रशासन ने एक बयान में कहा कि अवैध ऑनलाइन फार्मेसियां अक्सर असली दिखने के लिए अमेरिकी-आधारित वेबसाइट पते और प्रोफेशनल दिखने वाले डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं, जबकि असल में वे ऐसी नहीं होतीं। ये कंपनियां अवैध रूप से काम करती हैं, जानबूझकर अमेरिकी ग्राहकों को यह विश्वास दिलाकर धोखा देती हैं कि वे कानूनी रूप से सुरक्षित, विनियमित दवाएं खरीद रहे हैं। बयान में आगे कहा गया, 'ऑपरेशन मेल्टडाउन के तहत बंद की गई कई साइटों ने खुद को वैध, अमेरिका-आधारित और एफडीए-अनुमोदित होने का दावा किया था, लेकिन डीईए की जांच में पता चला कि इन साइटों के ऑपरेटर अक्सर ड्रग तस्करों के साथ मिलकर ऑनलाइन ऑर्डर को नकली गोलियों या गलत तरीके से इस्तेमाल की गई दवाओं से पूरा करते थे। ये नकली दवाएं अक्सर फेंटानिल या मेथामफेटामाइन से बनी होती हैं और इन्हें लेने से गंभीर स्वास्थ्य जोखिम हो सकते है।

बंगाल में नदी में मिला दूसरे विश्वयुद्ध के तीन जिंदा मोर्टार शेल, निष्क्रिय करने के प्रयास जारी

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के बांकुड़ा जिले के सोनामुखी में दामोदर नदी से रेत खनन के दौरान तीन मोर्टार शेल बरामद किए गए हैं। विशेषज्ञों का प्रारंभिक अनुमान है कि ये मोर्टार शेल दूसरे विश्वयुद्ध के समय के हैं। मंगलवार को जब लोडर के जरिए नदी से रेत निकालने का काम चल रहा था, तभी रेत के साथ ये भारी-भरकम धातु के गोले बाहर निकल आए। बांकुड़ा के पुलिस अधीक्षक सौम्यदीप भट्टाचार्य ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने स्थिति का जायजा लिया है, सेना के विशेषज्ञों से संपर्क साधा जा रहा है। जब तक सेना की टीम आकर इन्हें सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय नहीं कर देती, तब तक उस पूरे इलाके को पुलिस की निगरानी में रखा गया है। आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। बता दें कि बांकुड़ा में द्वारकेश्वर और दामोदर नदियों के तट से पहले भी मोर्टार शेल मिल चुके हैं।

खनिज के अवैध उत्खनन पर सख्ती, सात दिवसीय विशेष अभियान चलाने के निर्देश

आदतन माफ्रियाओं पर जिला बदर एवं एनएसए की कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर,सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न हुई बैठक में पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, वनमण्डलाधिकारी प्रीति अहिरवार, जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, सभी तहसीलदार, वनपरिक्षेत्राधिकारी सोन घड़ियाल, प्रभारी खनि निरीक्षक सीधी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे कलेक्टर सोमवंशी ने खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने तथा आदतन खनिज माफ्रियाओं पर जिला बदर एवं राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई के निर्देश सभी एसडीएम को दिए अवैध गतिविधियों में संलिप्त वाहनों के पंजीयन निरस्त करने हेतु क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को भी निर्देशित किया गया कलेक्टर ने सिंगरौली, शहडोल एवं छत्तीसगढ़ से होने वाले अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा वस्तुस्थिति से संभागायुक्त को अवगत कराने के निर्देश दिए साथ ही टास्क फोर्स को सात दिवसीय विशेष अभियान चलाकर अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सघन कार्रवाई करने तथा सात दिन बाद प्रस्तावित बैठक में कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए बैठक की शुरुआत में प्रभारी अधिकारी (खनि शाखा) कपिलमुनि शुक्ला द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण से संबंधित दर्ज 152 प्रकरणों की जानकारी दी गई।

'पंख - खेल खुशहाली समानता' गतिविधियों का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर,सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन भोपाल हर्षिका सिंह के निर्देशन तथा कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी एवं जिला परियोजना प्रबंधक के मार्गदर्शन में जिले में 05 फरवरी से 05 मार्च 2026 तक 'पंख दृ खेल खुशहाली समानता' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है कार्यक्रम का उद्देश्य स्व-सहायता समूह की महिलाओं में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, आपसी सहयोग, नेतृत्व एवं टीम वर्क को प्रोत्साहित करना तथा महिलाओं को सुरक्षित, आनंददायक एवं समावेशी मंच प्रदान करना है कार्यकम के अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों, ग्राम संगठनों एवं सार्वजनिक स्थलों पर चार सप्ताह तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी प्रथम सप्ताह में शारीरिक खेल, द्वितीय सप्ताह में मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन से जुड़े खेल, तृतीय सप्ताह में पारंपरिक खेल तथा चतुर्थ सप्ताह में समूह आधारित खेलों एवं पठन-पाठन को बढ़ावा देने वाली गतिविधियां आयोजित होंगी प्रथम दिवस 05 फरवरी 2026 को जिले के सभी विकासखं डोंकृ कुसमी, मझौली, रामपुर नैकिन, एवं सिहावल की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शारीरिक स्वास्थ्य से संबंधित खेल गतिविधियों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर संवाद कार्यक्रम आयोजित करते हुए कबड्डी, खो-खो, चेयर रेस, रस्साकशी सहित विभिन्न खेलों के माध्यम से महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखी गई विकासखंड प्रबंधक, समता समन्वयक, समता सखी, पोषण सखी तथा सीएलएफ लीडर सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं समूह सदस्य उपस्थित रहे।

भारत अमेरिका व्यापार समझौते पर कमलेश्वर पटेल का वक्तव्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। हाल ही में सामने आए भारत अमेरिका व्यापार समझौते के विवरणों को लेकर कमलेश्वर पटेल ने गंभीर आपत्ति और चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह समझौता देश के किसानों, छोटे व्यापारियों और घरेलू उद्योगों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है और सरकार को इस पर देश के सामने स्पष्ट जवाब देना चाहिए कमलेश्वर पटेल ने कहा कि उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार इस समझौते के तहत अमेरिकी उत्पाद शून्य शुल्क पर भारत में प्रवेश करेंगे, जिनमें सूखे मेवे, फल सब्जियां, मदिरा एवं स्पिरिट्स जैसे उत्पाद शामिल हैं इसके साथ ही भारत द्वारा औद्योगिक वस्तुओं पर शुल्क को वर्तमान लगभग 13.5 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने की बात सामने आ रही है उन्होंने कहा कि समझौते के तहत भारत द्वारा अमेरिका से तेल, गैस और प्रोपेन जैसे ऊर्जा संसाधनों की खरीद बढ़ाने तथा लगभग 500 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी उत्पादों की खरीद का वचन देना भी सामने आया है, जिसमें कृषि उत्पाद शामिल बताए जा रहे हैं साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि भारत रूसी तेल की खरीद बंद करेगा कमलेश्वर पटेल ने कहा कि इन प्रावधानों के बीच चिंताजनक तथ्य यह है कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में लगभग 18 प्रतिशत शुल्क लागू रहेगा यदि यह स्थिति सही है तो यह स्पष्ट असंतुलन को दर्शाती है जहां भारतीय बाजार खुल रहा है लेकिन भारतीय निर्यात को समान अवसर नहीं मिल रहा उन्होंने कहा कि इस तरह की व्यवस्था भारतीय किसानों और व्यापारियों के लिए सीधा आघात बन सकती है क्योंकि सस्ते आयात घरेलू उत्पादन और बाजार प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेंगे, जबकि भारतीय उत्पादों पर बाहरी बाजार में बाधाएं बनी रहेंगी कमलेश्वर पटेल ने केंद्र सरकार से प्रश्न किया कि यदि इस समझौते से देश के किसानों और व्यापारियों को नुकसान पहुंचने की आशंका है, तो सरकार ने ऐसे प्रावधानों पर सहमति क्यों दी और किन परिस्थितियों में भारत के हितों को इस प्रकार जोखिम में डाला गया उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गंभीर विषय है और इस समझौते का पूर्ण विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए तथा संसद में व्यापक चर्चा कराई जानी चाहिए ताकि देश को सच्चाई पता चल सके और राष्ट्रीय हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके अंत में कमलेश्वर पटेल ने कहा कि किसी भी सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी देश के नागरिकों, किसानों और व्यापारियों के हितों की रक्षा करना है और इस मामले में जवाबदेही से बचा नहीं जा सकता।

गौ सेवा केंद्र का निर्माण कार्य रोका : डिप्टी डायरेक्टर के पत्र से रोक, गौ सेवक आक्रोशित

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के पशु चिकित्सालय परिसर में संचालित गौ सेवा केंद्र के निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है नगर निगम ने केंद्र में सुविधाएं विकसित करने के लिए बजट आवंटित किया था और कलेक्टर से अनुमति मिलने के बाद वर्क ऑर्डर भी जारी कर दिया था मंगलवार को जब ठेकेदार निर्माण कार्य शुरू करने पहुंचा, तो पशु चिकित्सालय के अधिकारियों ने काम रोककर उसे वापस लौटा दिया यह कार्रवाई पशु चिकित्सालय विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. आरके जायसवाल द्वारा कलेक्टर और नगर निगम को लिखे गए एक पत्र के बाद हुई पत्र में उन्होंने परिसर में किसी भी प्रकार के स्थायी निर्माण पर आपत्ति जताई थी डॉ. जायसवाल ने स्पष्ट किया कि यह भूमि पशु चिकित्सालय विभाग की संपत्ति है और भविष्य में विभागीय जरूरतों के लिए यहां निर्माण प्रस्तावित हो सकता है इसलिए गौ सेवा केंद्र के लिए स्थायी निर्माण उचित नहीं है इस फैसले से गौ सेवा केंद्र से जुड़े गौ सेवकों में भारी आक्रोश है गौ सेवा का कार्य कर रहे नितिन कुमार ने बताया कि इस केंद्र में घायल और बीमार गोवंशों को उपचार के लिए रखा जाता है उपचार के बाद उन्हें गौशाला भेजा जाता है हालांकि, वर्तमान में यहां गोवंशों के लिए न तो छाया की उचित व्यवस्था है और न ही पीने के पानी की समुचित सुविधा उन्होंने यह भी बताया कि बारिश के मौसम में परिसर में जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे पहले भी गोवंशों की मौत हो चुकी है।

सत्र अवधि में अवकाश दिवसों पर भी खुले रहेंगे सभी कार्यालय

मीडिया ऑडीटर,सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा आदेश जारी कर फरवरी मार्च 2026 में आयोजित होने वाले विधानसभा सत्र के दृष्टिगत विधानसभा प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में तैयार कर प्रेषित करने हेतु संयुक्त कलेक्टर राजेश कुमार शुक्ला को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया हैजारी आदेशानुसार विधानसभा सत्र अवधि में प्रशासनिक कार्यों की सुविधा एवं त्वरित निष्पादन के लिए अवकाश दिवसों में भी समस्त कार्यालय खुले रहेंगे।

कैलाश स्वर्ण वृद्धाश्रम में वित्तीय साक्षरता पर कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडीटर,सीधी (निप्र)। विकासखण्ड मझौली अंतर्गत संचालित ताला स्थित कैलाश स्वर्ण वृद्धाश्रम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, समर्पित संस्था एवं सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वित्तीय साक्षरता विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला में वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजन, कर्मचारी एवं ग्रामीणों को वित्तीय प्रबंधन, बैंकिंग सुविधाओं एवं वर्तमान समय में बढ़ रही वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई कार्यक्रम में अरसेटी संस्था के डायरेक्टर शिवेंद्र चौधरी ने वित्तीय साक्षरता के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला इसके पश्चात रामगोपाल वर्मा ने सुरक्षित वित्तीय लेन-देन एवं जागरूकता के महत्व पर जानकारी प्रदान की साथ ही बताया गया कि वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में कोई भी व्यक्ति हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करा सकता है।

'अक्षरा' कार्यक्रम के तहत मोबाइल एप से पंजीयन कर विद्यालयों में शुरू हुई कक्षाएं

मीडिया ऑडीटर,सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशन तथा जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी के मार्गदर्शन में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आजीविका मिशन की असाक्षर दीदियों को साक्षर बनाने हेतु 'अक्षरा' कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों, जिन्हें सामाजिक चेतना केन्द्र के रूप में चिन्हित किया गया है, में विधिवत साक्षरता कक्षाओं का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी विकासखण्डों में स्व-सहायता समूह की असाक्षर सदस्य महिलाओं को साक्षरता मोबाइल एप के माध्यम से पंजीकृत कर संबंधित विद्यालयों में मैप करते हुए कक्षा संचालन प्रारंभ किया गया है वे महिलाएं, जो किसी कारणवश बचपन में औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकीं, अब विद्यालयों में टाटपट्टी, दरी और कुर्सियों पर बैठकर बच्चों की तरह पढ़ाई करते हुए उत्साहित नजर आ रही हैं कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को साक्षर बनाकर अंगूठा निशान की जगह हस्ताक्षर करने योग्य बनाना तथा समाज में उनका सम्मान बढ़ाना है आजीविका मिशन की सभी असाक्षर दीदियों ने नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने एवं आगामी साक्षरता परीक्षा में सम्मिलित होने का संकल्प लिया कार्यक्रम का संचालन जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन पुष्पेन्द्र सिंह एवं जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी पंकज पाण्डेय के समन्वय में किया गया कार्यक्रम में संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकगण, आजीविका मिशन जिला इकाई से सहायक जिला प्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा, युवा सलाहकार हरिराम त्रिपाठी, विकासखंड समन्वयक विनोद मिश्रा, विकासखंड प्रबंधक सुरजीत सिंह, चंद्रकांत सिंह, श्री अशोक पाण्डेय, राहुल शुक्ला, सहायक विकासखंड प्रबंधक मनोज मिश्रा, संजीव गहरवार, भरत सोनी, अरुण गौतम, अनामिका मिश्रा, मीना गुर्जर, विनय पाण्डेय, विनोद कुशवाहा, रामलाल साकेत सहित सीएलएफ नोडल, समता सखी, सीएलएफ लीडर तथा प्रौढ़ शिक्षा विभाग से मुकेश शर्मा, श्री यज्ञ प्रताप सिंह एवं रघुनंदन पनाडिया सहित अन्य अधिकारी एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की तैयारियों की समीक्षा, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की बैठक में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में नगर निगम रीवा के प्रदर्शन की गहन समीक्षा करते हुए उन सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें अपेक्षाकृत कम अंक प्राप्त हुए थे। निगमायुक्त ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि यदि नागरिक गीला और सूखा कचरा अलग-अलग नहीं देते हैं तो उन्हें बार-बार समझाइश देकर जागरूक किया जाए ताकि कचरा पृथक्करण की आदत विकसित हो सके उन्होंने ऐसे कर्मचारियों को चिन्हित कर हटाने के निर्देश दिए जो कचरा संग्रहण वाहन को एक स्थान पर खड़ा कर समय व्यर्थ करते हैं निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि जहां कहीं भी मिक्स कचरा पाया जाए, वहां स्त्रोत स्तर पर ही कचरा अलग किया जाए ट्रांसफर स्टेशनों पर विशेष टीम लगाकर गीला एवं सूखा कचरा पृथक कर वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट भेजा जाए इसके साथ ही कचरा संग्रहण कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए ताकि वे मौके पर ही कचरे का पृथक्करण कर सकें खुले में कचरा फेंकने वालों एवं कचरा वाहन आने के बाद भी कचरा न देने वाले नागरिकों पर चालानी कार्रवाई करने को कहा गया उन्होंने सफाई टीम, आईईसी टीम और कचरा कलेक्शन टीम के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया।

सात समंदर पार से आई दुल्हन :फ्रांस की शार्लोट ने संदीप संग लिए सात फेरे; हिंदू रीति-रिवाजों ने मोहा 25 विदेशी मेहमानों का मन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। चखोरा रोड पर गुरुवार को एक ऐसी शादी हुई जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया फ्रांस से आई दुल्हन शार्लोट ओलानियां ने भारतीय युवक संदीप कुमार सिंह के साथ हिंदू परंपरा के अनुसार विवाह रचाया इस अनोखे मिलन को देखने के लिए शहरवासियों में भारी उत्सुकता देखी गई निवासी संदीप कुमार सिंह वर्तमान में बेल्जियम में नौकरी कर रहे हैं वहीं उनकी मुलाकात फ्रांस के ओलां शहर की रहने वाली शार्लोट से हुई दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और जल्द ही यह दोस्ती प्यार में बदल गई लगभग दो साल तक एक-दूसरे को समझने के बाद दोनों ने जीवन भर साथ निभाने का फैसला किया संदीप शुरू से ही चाहते थे कि उनका विवाह उनकी अपनी संस्कृति और परंपराओं के अनुसार हो जिसे शार्लोट ने सहर्ष स्वीकार कर लिया फ्रांस से आई दुल्हन शार्लोट ओलानियां ने भारतीय युवक संदीप कुमार सिंह के साथ हिंदू परंपरा के अनुसार विवाह रचाया हल्दी की रस्म और हाथों में रची मेहंदी विवाह की रस्में पूरी तरह भारतीय अंदाज में निभाई गईं समारोह की शुरुआत हल्दी की रस्म से हुई, जहां विदेशी मेहमानों ने भी जमकर आनंद लिया दुल्हन शार्लोट के हाथों में जब पारंपरिक डिजाइन वाली मेहंदी सजी, तो उनकी खुशी देखते ही बन रही थी शार्लोट ने बताया कि वे बचपन से ही भारत और यहां की संस्कृति के बारे में सुनती आई थीं लेकिन यहां आकर दुल्हन बनना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है इस शादी की खास बात यह रही कि दुल्हन के साथ उनके परिवार और रिश्तेदारों के करीब 25 लोग फ्रांस से सिंगरौली पहुंचे रात में पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच अग्नि के फेरे लेकर दोनों ने शादी की रस्में पूरी कीं विदेशी मेहमान भारतीय भोजन, संगीत और शादियों में होने वाले शोर-शराबे से काफी प्रभावित नजर आए संदीप के अनुसार, उनके ससुराल पक्ष के लोग भारतीय परंपराओं को देखकर बहुत खुश हैं।

निर्माणाधीन मिहिर सेन तरण ताल का निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने निर्माणाधीन मिहिर सेन तरण ताल का भ्रमण कर मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों का गहन निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों तथा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए निगमायुक्त ने तरण ताल परिसर को आकर्षक एवं उपयोगी बनाने के लिए ग्रीन लैंडस्केपिंग विकसित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि तरण ताल के चारों ओर हरियाली और सौंदर्यीकरण से न केवल परिसर का स्वरूप बेहतर होगा बल्कि खिलाड़ियों एवं नागरिकों को भी सुखद वातावरण मिलेगा सौंदर्यीकरण के साथ-साथ तरण ताल के रात्रिकालीन उपयोग को ध्यान में रखते हुए आधुनिक और पर्याप्त लाइटिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए निगमायुक्त ने परिसर में चेंजिंग रूम की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया उन्होंने कहा कि पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग तथा पर्याप्त चेंजिंग रूम होना आवश्यक है जिससे उपयोगकर्ताओं को सुविधा और गोपनीयता मिल सके इसके साथ ही उन्होंने तरण ताल की दीवारों एवं अन्य संरचनाओं पर थीम आधारित रंग-रोगन कराने के निर्देश दिए स्विमिंग से जुड़े आकर्षक और सूचनात्मक डिज़ाइन विकसित कर परिसर को आधुनिक स्वरूप देने को कहा गया तरण ताल के सुचारू संचालन के लिए निगमायुक्त ने ऑटोमैटिक इलेक्ट्रिक मोटर सिस्टम लगाने के निर्देश दिए, जिससे पानी का निष्कासन और प्रवाह (वॉटर एग्जिट सिस्टम) बेहतर तरीके से हो सके और स्वच्छता बनी रहे उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाए।

विरोध करने की आदत, कांग्रेस को रास नहीं आया भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

संपादकीय

विडंबना यह है कि चुनाव दर चुनाव पराजय के बाद भी कांग्रेस यह समझने को तैयार नहीं कि विपक्ष का काम केवल खोखली आलोचना करना या फिर सनसनीखेज आरोप उछालना भर नहीं है। सरकार के हर फैसले का हर हाल में विरोध करने की कांग्रेस की आदत इतनी अधिक बढ़ गई है कि वह तर्कों और तथ्यों से भी परे रहने लगी है।

जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ। कांग्रेस को अमेरिका के साथ होने वाला व्यापार समझौता भी रास नहीं आया। जैसे ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ 50 प्रतिशत से कम कर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की, वैसे ही कांग्रेस ने आपत्तियां उठानी शुरू कर दीं। यह सही है कि व्यापार समझौते संबंधी ट्रंप की पोस्ट से कुछ सवाल उभर रहे थे, लेकिन इन सवालों का जवाब मांगने के स्थान पर कांग्रेस नेता इस नतीजे पर पहुंच गए कि प्रधानमंत्री मोदी मजबूरी के कारण इस समझौते पर सहमत हो गए।राहुल गांधी ने तो यह कहने में भी संकोच नही किया कि प्रधानमंत्री ने किसानों की मेहनत को बेच दिया। कांग्रेस को इस समझौते को लेकर बनी सहमति पर आपत्ति उठाने की इतनी जल्दी थी कि उसने न तो यह देखा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की पोस्ट पर भारतीय प्रधानमंत्री की पोस्ट क्या कह रही है और न ही वाणिज्य मंत्री के जवाब की प्रतीक्षा की। जब वाणिज्य मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि व्यापार समझौते में कृषि एवं डेरी क्षेत्र में भारत के हितों की सुरक्षा होगी और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने भी इसकी पुष्टि कर दी तो कांग्रेस के पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा, फिर भी उसने यह कहना शुरू कर दिया कि सरकार की ओर से इस बारे में संसद में जानकारी क्यों नहीं दी गई। हालांकि वाणिज्य मंत्री ने उन परिस्थितियों का उल्लेख किया, जिनके चलते वे संसद में चाहकर भी बयान नहीं दे सके, लेकिन कांग्रेस को संतोष नहीं। कांग्रेस की ओर से अमेरिका के साथ होने जा रहे व्यापार समझौते पर सवाल उठाने का सिलसिला कायम है। उसके साथ-साथ कुछ अन्य विपक्षी दल भी ऐसा ही कर रहे हैं। सामान्य समझ यह कहती है कि किसी भी समझौते या सहमति पर सवाल उठाने से पहले उसका विवरण सामने आने की प्रतीक्षा की जाए, लेकिन आज की भारतीय राजनीति में इस समझ के लिए स्थान शून्य होता जा रहा है।इसके स्थान पर विरोध के लिए विरोध का झंडा उठाने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। वैसे तो हर दल विपक्ष में रहते समय इसी प्रवृत्ति का परिचय देता है, लेकिन शायद कांग्रेस ने इसमें महारत हासिल कर ली है। इसी कारण उसकी आलोचना-निंदा चर्चा में तो आ जाती है, लेकिन वह न तो कोई प्रभाव छोड़ती है, न किसी सार्थक बहस को जन्म देती है और न ही सत्तापक्ष को अपने रुख-रवैये पर विचार को बाध्य करती है।

बैंकों में 3.4 लाख करोड़ का सोना गिरवी, बैंकों का जोखिम बढ़ा

सनत कुमार जैन

सोने की कीमतों में गिरावट से बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की चिंता बढ़ गई है। देश में गोल्ड लोन का चलन बढ़ता जा रहा है। लोग अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखकर लोन ले रहे हैं। हाल ही में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि और उसके बाद तेजी के साथ दामों में गिरावट ने बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की ऋण व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत में करीब 9 करोड़ लोगों ने सोना गिरवी रख कर बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कर्ज लिया है। जिसके चलते लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये मूल्य का सोना बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के पास गिरवी रखा हुआ है। सोने के दाम में हालिया गिरावट ने इस पूरे तंत्र को हिला दिया है। बैंक और वित्तीय संस्थान सोने की कीमत का 75 फ़ीसदी से 90 फ़ीसदी तक फाइनेंस कर देते हैं। ऋण देने के जो नियम बना रखे हैं उसके अनुसार यदि दाम घटते हैं तो ऐसी स्थिति में ऋणधारक को ब्याज की मार्जिन मनी चुकानी पड़ती है। यदि वह मार्जिन नहीं दे पता है तो ऐसी स्थिति में बैंक और वित्तीय संस्थानों को अधिकार है कि वह सोने की नीलामी करके अपना पैसा वसूल कर लें। बीते वर्षों में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण गोल्ड लोन को सुरक्षित कर्ज मानते हुए बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोने पर कर्ज को बढ़ावा दिया है। लोगों ने भी बढ़ी हुई कीमतों का फायदा उठाकर ज्यादा कर्ज लिया। कई मामलों में टॉप-अप लोन भी प्राप्त किया है। अब सोने के दाम अप्रत्याशित रूप से घटने के कारण गिरवी रखे गए सोने का मूल्य कम हो गया है। कर्ज की राशि से सोने की कीमत कम हो गई है। ऐसी स्थिति में बैंकों द्वारा कर्जदारों से मार्जिन मनी जमा करने या अतिरिक्त सोना गिरवी रखने का दबाव बढ़ाया जा रहा है। समस्या यह है, गोल्ड लोन लेने वाले अधिकतर लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। उनके पास ब्याज और मार्जिन मनी के रूप में जमा करने के लिए अतिरिक्त नकदी नहीं है। जिससे वह वित्तीय संस्थान द्वारा मांगी गई मार्जिन मनी को जमा कर सकें। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है, अगर कर्ज न चुकाने की स्थिति में बड़े पैमाने पर वित्तीय संस्थाओं द्वारा सोने की नीलामी की जाएगी। ऐसी स्थिति में तो बाजार में सोने की आपूर्ति बढ़ेगी। जिससे सोने की कीमतों में और भी बड़ी गिरावट आ सकती है। इससे बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का घाटा बढ़ सकता है। इसका असर बैलेंस शीट पर भी पड़ेगा। सोने और चांदी की कीमतों में जिस तरह की तेजी और मंदी देखने को मिल रही है, उसने वित्तीय संस्थानों की चिंता को बढ़ा दिया है। शेयर बाजार में भी लगातार गिरावट का दौर चला। जिसके कारण वित्तीय संस्थानों को शेयर बाजार में भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। बाजार में उपभोक्ता के पास खर्च करने के लिए पैसा नहीं है। जिसके कारण बाजार में मांग घट रही है। नौकरी और रोजगार पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव दिखने लगा है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) और अन्य बैंक इस स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। अर्थ विशेषज्ञों के अनुसार, अगर सोने की कीमतों में तेज गिरावट जारी रहती है तो यह संकट बैंकिंग व्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों से सोना गिरवी रखने में 75 से 90 फ़ीसदी तक लोन गिरवी रखने वालों को दिया जाता था। बड़े पैमाने पर लोगों द्वारा सोने पर लोन लिया गया है। सोने में लिए गए ऋण का असर 9 करोड़ परिवारों पर सीधे रूप से देखने को मिल रहा है। जिस मध्यम वर्ग के पास सोना है, वह अपनी ज़रूरतें सोना गिरवी रखकर पूरी कर रहा था। देश की अर्थव्यवस्था में मध्यम वर्ग के ऊपर कितना दबाव है, यह उसे दर्शा रहा है। वर्तमान आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होने की दशा में बाजार में मांग घटेगी। आने वाले समय में इसका असर रोजगार और व्यवसाय पर पड़ेगा। देश को आर्थिक मंदी का शिकार होना पड़ सकता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के ऊपर भी भारी कर्ज है। रिजर्व बैंक और राष्ट्रीयकृत बैंकों के पास पर्याप्त नगदी की उपलब्धता नहीं है। इसको देखते हुए रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय की चिंता बढ़ गई है। सोने एवं चांदी में कर्ज किस मानक से दिया जाए, इसके लिए वित्तीय संस्थान चिंतन कर रहे हैं। वित्तीय संस्थाओं का 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा सोने के ऋण में फंसा हुआ है।

महाराष्ट्र के उप मुख्य मंत्री के आकस्मिक निधन से ऐ सवाल उठा क्या हर मनुष्य की आयु निश्चित है? और उतना ही सांसे ईश्वर ने दिए हैं जितना जीना है आखिर समय से पहले लोग दुनिया से क्यों जाते हैं क्योंकिऐसा सुनने में तो काफी बार आता है। बहुत सारे विश्वप्रसिद्ध मनोविज्ञानी भी इस बात की पुष्टी करते हैं। बहुत बार लोग अपने पुन :जन्म की बातें भी करते हुए पाए जाते हैं। इससे तो ऐसा ही लगता है कि अतीत में जाया जा सकता है। इसके अलावा अगर हम दैनिक जीवन की घटनाओं पर गौर करें तब भी ऐसा लगता है। क्या शाम के समय आपको याद नहीं आता कि सुबह आपने क्या किया था, या फिर जब आप बहुत छोटे थे उस समय की घटनाऐं याद करने पर याद आती भी हैं।

हर मनुष्य की आयु निश्चित होती है

संजय गोस्वामी

इसके अलावा भी चार सो किलोमीटर दूर से आपने अपने कैमरे से फोटो खैंची तो क्या वह अभी की है या कुछ समय पहले की? भगवान श्रीकृष्ण ने जो गीता का ज्ञान दिया था क्या वह एक जन्म में ग्रहण करना संभव है? श्री कृष्ण ने जन्मजन्मांतर से ज्ञान इक्कठा किया था, पहले लोग लड़ाई में मारे जाते थे उनकी तो समय से पहले मौत हुई वो भी ईश्वर की मर्जी होगी मनुष्य हमेशा भाग्य के भरोसे बैठा रहता है। अगर उसे किसी ने भविष्यवाणी कर दी कि वह 90 वर्ष तक जियेगा, तो शायद वह निश्चिन्त होकर बैठ जाए और किसी बात की परवाह ना करे। कर्मो के साथ भी मनुष्य का यही रवैया रहता है। अगर उसके भाग्य में सफलता है और उसे यह पता चल जाए, तो शायद वह कभी ज्यादा प्रयास ही ना करे। मनुष्य का स्वभाव ही कुछ ऐसा है लेकिन इन सबमें वह यह भूल जाता है कि उसका भाग्य उसके कर्म द्वारा निर्धारित किया गया है। उसके संचित कर्म (पूर्व जन्मों के अच्छे कर्म) हैं, जो उसे इस जन्म में अच्छा जीवन दे रहे और अगर वह इस जन्म के कर्मों की परवाह नहीं करता है, तो उसके पुण्य कर्म का खाता कम होता जाएगा और साथ में उसके भाग्य में भी बदलाव होगा। लोग अक्सर कर्म की अनदेखी कर देते हैं जबकि कर्म ही उनके हरेक जीवन की नींव रखता है। अब सवाल यह है कि अगर किसी के अच्छे पुण्य कर्म से उसे लम्बी आयु प्राप्त होती है, तो क्या समय से पहले उसकी मृत्यु संभव है, चाहे वो अकाल मृत्यु हो या समय से मृत्यु के निकट होने के सामान्य लक्षणों में चिंता, थकान, भूख न लगना और कब्ज शामिल हैं। जैसे-जैसे मृत्यु निकट आती है, मूत्र असंयम, प्रलाप और सांस लेने में घरघराहट जैसी आवाजें सुनाई देने लगती हैं।आप एक बात से समझ सकते हैं हाल ही एयर इंडिया का बोइंग विमान अहमदाबाद में क्रेश हुआ एक को छोड़ कर सभी की मौत हुई लेकिन उसमें किसी के बचने की बिलकुल सम्भावना ही नहीं थी जो स्व अजीत पवार पूर्व उप मुख्य मंत्री के विमान क्रैश में सभी सभी लोग मौत के मुँह में समा गए अतः जिसकी जितनी आयु परमात्मा ने लिखा है उससे ना तो बदला जा सकता है ना ही टाला जाता है

मृत्यु किसकी कब होगी और कौन कितना जियेगा, इसका कोई पैमाना नहीं है। इसे केवल ईश्वर भगवान राम ही बता सकते हैं।क्योंकि किसी भी मृत्यु से पहले उसे अंदेशा मिलने लगता है और जब अंतिम यात्रा निकलती है तो हिन्दू धर्म में राम नाम सत्य ही बोला जाता है लेकिन कई लोग ज्योतिष और ग्रहों के अनुमान से अपनी आयु की अवधि का पता लगा लेते हैं। एक बार उम्र का पता लगा लेने के बाद कई लोग फिर कर्मों की परवाह नहीं करते। लेकिन शास्त्र कहते हैं कि अगर आप लगातार गलत कर्म या पाप करते हैं, तो उससे आपके पुण्य कर्म क्षय होते हैं। कई सारे ऐसे कर्म हैं, जो आपको परिणाम बहुत बाद में या अगले जन्म में देते हैं लेकिन कुछ कर्म ऐसे हैं, जिसका फल आपको तुरंत मिल जाता है अतः उसी तरह मौत भी आपके पूर्व जन्मो के कर्म के आधार पर किसी घटना का बहाना बनाकर घटी घटना क्रिया विज्ञान (फिनामेंलॉजी) दर्शनशास्त्र और अनुसंधान की एक विधि है जो मानवीय अनुभवों और चेतना की संरचनाओं का अध्ययन करती है, जिसमें व्यक्ति किसी घटना या वस्तु को कैसे अनुभव करता है और उसका क्या अर्थ निकालता है, इस पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, यह बाहरी व्याख्याओं के बजाय प्रत्यक्ष, व्यक्तिपरक अनुभवों को समझने पर ज़ोर देता है।इसे इस बात से समझ सकते हैं कोई सिगरेट पीता है वह भी करीब 80 साल या उससे अधिक जी लेता है लेकिन कहा जाता है कि इससे मौत जल्दी हो जाएगी जबकी न पी पाने वाले उससे पहले दुनिया से चले जाते हैं फार्मा में तमाम तरीके की दवाई बनती है लेकिन सबका एक्सपायरी डेट एक नहीं होता है उसके केमिकल कंपोजीशन के अनुसार अलग अलग एक्सपायरी डेट होता है उसी तरह बॉडी में भी मौत से पहले आपको रोग आते हैं जो मौत का कारण बनता है घटना को रोका नहीं जा सकता है जो ईश्वर की मर्जी से ही होता है बाइबल के प्रश्नों के उत्तर Menu icon पता लगाएं कि कैसे ... भगवान के साथ अनंत काल बिताओ भगवान से क्षमा प्राप्त करें प्रश्न क्या जीवन जीने के लिए कोई आयु सीमा निर्धारित है? उत्तर बहुत से लोग उत्पत्ति 6:3 को 120-वर्षों तक मनुष्य के लिए जीवित रहने की आयु सीमा के रूप में समझते हैं, तब यहोवा ने कहा, मेरा आत्मा मनुष्य से सदा लों विवाद करता न रहेगा, क्योंकि मनुष्य भी शरीर ही है; उसकी आयु एक सौ बीस वर्ष की होगी। तथापि, उत्पत्ति 11 अध्याय 120 वर्षों से अधिक आयु के कई लोगों को वर्णित करती है। परिणामस्वरूप, कुछ उत्पत्ति 6ः3 की व्याख्या इस अर्थ में करते हैं, एक सामान्य नियम के रूप में, लोग 120 वर्षों की आयु सीमा से अधिक जीवित नहीं रहेंगे। जल प्रलय के पश्चात, जीवन अवधि नाटकीय रूप से सिकुड़ने लगी (उत्पत्ति 5 की तुलना उत्पत्ति 11 से करें) और अन्त में यह 120 वर्षों की आयु तक हो गई (उत्पत्ति 11:24)। उस समय से लेकर, बहुत से लोगों ने 120 वर्षों तक के जीवन को व्यतीत किया है। तथापि, एक और व्याख्या उत्पत्ति 6ः3 के अनुसार, जो आभासित होता है कि इस संदर्भ के बहुत अधिक अनुरूप पाई जाती है, परमेश्वर की घोषणा यह थी कि जल प्रलय उसके द्वारा दिए जाने वाले दण्ड की घोषणा के 120 वर्षों के पश्चात् घटित होगा। मनुष्य के दिन स्वयं मनुष्य के सदंर्भ में ही जल प्रलय के कारण नष्ट हो गए। कुछ लोग इस सच्चाई के पश्चात् भी इस व्याख्या के ऊपर विवाद करते हैं कि नूह ने जहाज का निर्माण तब किया जब उसकी उम्र उत्पत्ति 5:2 के अनुसार 500 वर्षों की थी और जल प्रलय तब आई जब नूह 600 वर्षों का हुआ (उत्पत्ति 7:6); यह केवल 100 वर्षों का, न कि 120 वर्षों का समय है। इसके अतिरिक्त, उत्पत्ति 5:32 में लिखे हुए समय के विषय में नहीं जिसमें परमेश्वेर ने नूह को जहाज का निर्माण करने का आदेश दिया, अपितु इसकी अपेक्षा यह नूह की तब की उम्र है जब वह तीन पुत्रों का पिता बन चुका था। यह पूर्ण रीति से विश्वमसनीय हो सकता है कि परमेश्वीर ने जल प्रलय को 120 वर्षों के पश्चात् प्रगट होने के लिए निर्धारित किया हो और तब उसके नूह को जहाज का निर्माण करने के आदेश को दिए जाने के पश्चात् कई वर्षों तक प्रतीक्षा की होगी। चाहे कुछ भी क्यों न रहा हो, उत्पत्ति 5:32 और 7:6 के मध्य के 100 वर्ष किसी भी तरह से उत्पत्ति 6:3 में उल्लिखित 120 वर्षों के विरोधाभासी नहीं हैं।

जल प्रलय के कई वर्षों के पश्चात, मूसा ने घोषणा की थी, हमारी आयु के वर्ष सत्तर तो होते हैं - और चाहे बल के कारण अस्सी वर्ष भी हो जाएँ, तौभी उनका घमण्ड केवल कष्ट और शोक ही शोक है, वह जल्दी कट जाती है, और हम जाते रहते हैं। (भजन संहिता 90:10)। न तो उत्पत्ति 6:3 न ही भजन संहिता 90:10 मनुष्य के लिए परमेश्वदर की ओर से निर्धारित आयु सीमा है। उत्पत्ति 6:3 जल प्रलय की भविष्यद्वाणी की समय सारिणी है। भजन संहिता 90:10 तो केवल इतना ही कह रही है कि एक सामान्य नियम के रूप में

लोग 70-80 वर्षों तक जीवित रहते हैं जो कि आज के समय की सत्य बात है, लेकिन आपदा महामारी सब ईश्वर की मर्जी से होता है उसमें गरीब या अमीर नहीं देखता है जिसे दुनिया जाना तय है उसे जाना ही पड़ता है किस धर्म में क्या लिखा है वो इतना जानने की जरुरत नहीं है कर्म करें और मस्त रहें जो होगा देखा जायेगा मौत तो आना तय है तो आज हो या जल शोक नहीं करना चाहिए उसने आपमें जितनी चाबी भरी है उतना ही चलेगा सब ऊपर वाले की मर्जी से होता है इसलिए महाभारत में भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा कर्तव्य का पालन- श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बताया कि हर व्यक्ति को अपने धर्म और कर्तव्य का पालन करना चाहिए। अर्जुन एक क्षत्रिय थे, और उनका धर्म युद्ध करना था, इसलिए उन्हें अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए।

सोशल मीडिया : संवाद का माध्यम या निजता का संकट?

आज संचार क्रांति का युग है।हर कोई सोशल मीडिया,एआइ का प्रयोग कर रहा है। आधुनिक दौर में सोशल मीडिया ने हमारे अनेक कार्यों को आसान और सरल बनाया है। दूसरे शब्दों में कहें तो सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल और व्यापक बनाया है, उतना ही जटिल निजता का प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। आज व्यक्ति अपने जीवन के निजी क्षण-तस्वीरें,रील बनाकर अपने विचार, स्थान और दिनचर्या स्वेच्छा से सार्वजनिक मंचों पर साझा कर रहा है।

सुनील कुमार महला

यह सब आमतौर पर सोशल मीडिया मंचों पर साझा करना कभी-कभी आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम होता है, तो कई बार अनजाने में अपनी निजता को जोखिम में डालने का कारण बन जाता है। 'लाइक' और 'व्यू' की होड़ में निजी सीमाएँ धुंधली होती जा रही हैं। यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो आज के समय में तकनीक हमारी ज़िंदगी की पल-पल की अहम् व महत्वपूर्ण जरूरत बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने काम आसान और तेज़ कर दिए हैं, लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है-निजता का खतरा। आज के समय में अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है और वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि ऐप या प्लेटफॉर्म पर साइन-अप करते समय जो निजी जानकारी वे देते हैं, उसका गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। कई बार यह जानकारी हमारी अनुमति के बिना किसी और को दी जा सकती है। बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत ही नहीं आज संपूर्ण विश्व स्तर पर स्मार्टफोन उपयोग तेजी से सर्वव्यापी हो चुका है। 2025 के आसपास उपलब्ध ताज़ा वैश्विक अनुमानों के अनुसार दुनिया में लगभग 6.8- 7.1अरब लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं, जबकि सक्रिय स्मार्टफोन डिवाइसों की संख्या 7 अरब से अधिक मानी जाती है, क्योंकि कई उपयोगकर्ताओं के पास एक से अधिक फोन हैं। इसका अर्थ यह है कि वैश्विक आबादी का करीब 85-90 प्रतिशत हिस्सा किसी न किसी रूप में स्मार्टफोन से जुड़ चुका है। यदि हम यहां पर भारत की बात करें तो देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार बन चुका है।साल 2024-2025 के आंकड़ों के अनुसार भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 65-70 करोड़ (650-700 मिलियन) है, जो कुल जनसंख्या का करीब 45ङ्क50 प्रतिशत बैठती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और 4जी/5जी नेटवर्क के विस्तार के कारण यह संख्या तेजी से बढ़ रही है और विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार 2026 तक भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ता 100 करोड़ के आसपास पहुँच सकते हैं । इस क्रम में यहां यह गौरतलब है कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और व्हाट्सऐप को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ कहा कि कोई भी कंपनी नागरिकों की निजी जानकारी के साथ मनमानी नहीं कर सकती और निजता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज का जमाना डिजिटल है और इस डिजिटल युग में आज मोबाइल नंबर, बैंक खाता, आधार जैसी जगहों पर हमें अपनी निजी और कभी-कभी बायोमेट्रिक जानकारी भी देनी पड़ती है। अगर यह जानकारी गलत हाथों में चली जाए, तो बड़ा नुकसान हो सकता है। समस्या यह भी है कि यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि हमारी जानकारी आखिर कहां-कहां पहुंच चुकी है।सोशल मीडिया पर भी यही खतरा रहता है, क्योंकि ज़्यादातर लोग नियम और शर्तें पढ़े बिना ही 'सहमति' दे देते हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में यह बात कही कि ये शर्तें इतनी जटिल भाषा में लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता। इसे निजी जानकारी चुराने का एक सभ्य तरीका कहा गया, जिसे मंजूरी नहीं दी जा सकती। माननीय कोर्ट ने यह भी कहा कि सुरक्षा और पहचान के नाम पर जानकारी लेना ठीक है, लेकिन जो लोग निजता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ता की गतिविधियों का सूक्ष्म विश्लेषण करते हैं-क्या देखा, क्या पसंद किया, कहाँ गए और इस डेटा का उपयोग विज्ञापन, प्रोफाइलिंग और कभी-कभी राजनीतिक या व्यावसायिक हितों के लिए किया जाता है। वास्तव में, डेटा लीक, अनधिकृत ट्रैकिंग और फेक प्रोफाइल जैसी समस्याएँ निजता के हनन को और गंभीर बनाती हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति की पहचान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।निजता का हनन केवल तकनीकी नहीं, सामाजिक समस्या भी है। बिना अनुमति तस्वीरें साझा करना, ट्रोलिंग, साइबर स्टॉकिंग और ऑनलाइन बदनामी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। बच्चों और किशोरों के लिए यह खतरा और बड़ा है, क्योंकि वे डिजिटल जोखिमों को समझे बिना ही ऑनलाइन सक्रिय हो जाते हैं।इस चुनौती का समाधान बहुस्तरीय है। एक ओर सशक्त डेटा संरक्षण कानून, पारदर्शी प्लेटफॉर्म नीतियाँ और कड़ी जवाबदेही आवश्यक है; दूसरी ओर डिजिटल साक्षरता और व्यक्तिगत सावधानी भी उतनी ही ज़रूरी है-मजबूत पासवर्ड, गोपनीयता सेटिंग्स, सीमित साझा करना और अनुमति की संस्कृति। सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण उपयोग ही निजता और अभिव्यक्ति के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है।

अंजन हिल कोयला खदान परियोजना की जनसुनवाई संपन्न, स्थानीय प्रतिनिधियों ने जताया समर्थन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। दक्षिण-पूर्वी कोलफील्ड क्षेत्र में प्रस्तावित अंजन हिल कोयला खदान परियोजना को लेकर ग्राम भुकभुकी, जनपद पंचायत खड़गवां में आयोजित जनसुनवाई शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगभग 388.261 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रस्तावित यह परियोजना साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के चिरमिरी क्षेत्राधिकार अंतर्गत विकसित की जानी है जनसुनवाई में प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों की सक्रिय उपस्थिति रही। अपर कलेक्टर अनिल सिदार, पर्यावरण जलवायु संरक्षण अधिकारी शैलेश पिसदा, अनुविभागीय अधिकारी विजयेन्द्र सारथी, सीएसपी दीपिका मिंज, एसईसीएल के महाप्रबंधक अशोक कुमार तथा सब एरिया मैनेजर मनीष सिंह सहित अन्य अधिकारी मंचासीन रहे वहीं जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रिया, महापौर राम नरेश राय, नगर निगम सभापति संतोष सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष शिवांश जैन, नेता प्रतिपक्ष गायत्री बिरहा, वरिष्ठ पत्रकार श्रीकांत शुक्ला सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। जनसुनवाई में कुछ ग्रामीणों द्वारा निजी भूमि अधिग्रहण को लेकर आशंका व्यक्त की गई, जिस पर एसईसीएल के महाप्रबंधक अशोक कुमार ने स्पष्ट किया कि परियोजना का विकास पूर्णत: आवंटित लीज क्षेत्र के भीतर ही किया जाएगा और किसी भी निजी भूमि का अधिग्रहण नहीं किया जाएगा उन्होंने यह भी विश्वास दिलाया कि परियोजना से किसी प्रकार का विस्थापन व पुनर्वास नहीं होगा कंपनी की ओर से बताया गया कि परियोजना के तहत पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, सुरक्षा उपायों तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जाएगी साथ ही हालिया सामुदायिक पहलों के अंतर्गत हुडी जैकेट, स्कूल बैग, डेस्क-बेंच वितरण जैसे कार्यों का उल्लेख करते हुए सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विकास, रोजगार के नए अवसरों और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि की संभावनाओं को देखते हुए परियोजना का समर्थन किया कंपनी के अनुसार प्रस्तावित खदान से वनों, जल स्रोतों एवं वन्यजीवों पर प्रतिकूल प्रभाव की संभावना नहीं है तथा सभी वैधानिक मानकों का कड़ाई से पालन किया जाएगा सफल जनसुनवाई के पश्चात अब कंपनी द्वारा आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियों की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी और स्थानीय हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सतत, सुरक्षित एवं जिम्मेदार खनन कार्य सुनिश्चित किया जाएगा।

पीएम आवास कॉलोनी में डीजे बंद कराने पर विवाद: मेडिकल छात्र से मारपीट

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मेडिकल कॉलेज के पीछे स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना कॉलोनी के रहवासी असामाजिक गतिविधियों से परेशान हैं बुधवार देर शाम तेज आवाज में डीजे बजाने से मना करने पर सी-3 ब्लॉक निवासी मनोज वाल्मीक ने मेडिकल छात्र और पड़ोसी के साथ मारपीट कर दी रहवासियों ने आरोप लगाया है कि आरोपी आए दिन शराबखोरी करता है परेशान लोगों ने कलेक्टर और एसपी कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई है शिकायतकर्ता निखिल ने बताया कि वह सी-3 ब्लॉक में अपने चाचा के साथ रहता है और मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहा है बुधवार देर शाम मनोज वाल्मीक अपने घर में तेज आवाज में डीजे बजा रहा था। जब निखिल ने उससे आवाज कम करने को कहा तो मनोज ने पहले सहमति दी हालांकि, कुछ देर बाद जब निखिल अपने ऊपर वाले माले पर चला गया, तो मनोज अपने तीन साथियों और एक युवती के साथ आया और दरवाजे पर पत्थर फेंकने लगा। निखिल का आरोप है कि दरवाजा खोलने पर मनोज ने उसे खींचकर लाठियों से हमला किया एक अन्य रहवासी प्रद्युमन ने बताया कि वह सामने वाले अपार्टमेंट में रहता है। तेज डीजे की आवाज से परेशान होकर जब उसने मनोज को मना किया, तो उसके साथ भी मारपीट की गई कॉलोनी के अन्य परिवारों का कहना है कि मनोज वाल्मीक अक्सर रात में तेज आवाज में डीजे बजाकर शराब पीता है उन पर सुअर का मांस पकाने का भी आरोप है जिससे परिसर में दुर्गंध फैल जाती है मना करने पर वह गाली-गलौच और धमकी देता है रहवासियों के अनुसार, इन गतिविधियों से कॉलोनी का माहौल खराब हो रहा है जिससे बच्चों और महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तहसीलदार ने घायल को पहुंचाया अस्पताल : कलेक्टर को रिसीव करने जा रहे थे, रद्द किया कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास में गुरुवार दोपहर एनएच-46 पर सड़क हादसे में घायल युवक को तहसीलदार प्रदीप भार्गव ने अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया वे कलेक्टर को रिसीव करने जा रहे थे लेकिन हादसा देख उन्होंने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया घायल का बदरवास स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है यह दुर्घटना तहसील कार्यालय के पास हुई अज्ञात ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दानवीर यादव गंभीर रूप से घायल हो गया उसके सिर से खून निकल रहा था दानवीर यादव दिगोध गांव का रहने वाला है और बदरवास से अपने गांव लौट रहा था घायल को देख रद्द किया कार्यक्रम घटना के समय तहसीलदार प्रदीप भार्गव शिवपुरी कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी को रिसीव करने के लिए बदरवास की सीमा पर जा रहे थे दुर्घटना देखते ही वे रुक गए उन्होंने घायल की हालत को देखते हुए कलेक्टर को रिसीव करने का अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया और उसे अपनी कार में बैठाकर अस्पताल ले गए बदरवास पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगा रही है।

सिंचाई परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण पर विवाद पहले 6.5 लाख तय हुआ था

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के बदरवास ब्लॉक में जल संसाधन विभाग की बिजरौनी-बरोदिया लघु सिंचाई परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है परियोजना के तहत ग्राम बरोदिया, मग़रौरा और बिजरौनी के करीब 100 किसानों की 605 बीघा जमीन अधिग्रहित की जानी है किसानों का आरोप है कि साल 2019 में 6.5 लाख रुपए प्रति बीघा मुआवजा देने की बात थी लेकिन अब राजस्व विभाग ने इसे घटाकर 3.88 लाख रुपए कर दिया है इससे नाराज किसानों ने गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और पुरानी दर से भुगतान की मांग की ग्राम मगरौरा के किसान रामकृष्ण यादव ने कहा कि तालाब निर्माण से क्षेत्र में विकास होगा जिससे भविष्य में जमीन का बाजार मूल्य कई गुना बढ़ सकता है ऐसे में वर्तमान में प्रस्तावित मुआवजा न तो न्यायसंगत है और न ही इससे वे भविष्य में इसके बराबर खेती की जमीन खरीद पाएंगे यादव ने आगे कहा कि वे पूरी तरह कृषि से न केवल उनकी वर्तमान आय खत्म होगी बल्कि आने वाली पीढ़ियों की आर्थिक सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाएगी किसानों ने प्रशासन से पुनर्वास, वैकल्पिक जमीन या दीर्घकालिक आजीविका सुरक्षा योजना पर विचार करने की मांग भी की है ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि तहसीलदार और पटवारी द्वारा दबाव बनाकर कम दर पर जमीन अधिग्रहण के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए जा रहे हैं किसानों का कहना है कि वे अपनी मर्जी से नहीं बल्कि मजबूरी में हस्ताक्षर करने को विवश हैं मग़रौरा गांव के किसानों ने बताया कि साल 2019 में नोटिस जारी होने के समय ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा भी किसानों को उचित और बेहतर मुआवजा मिलने का आश्वासन दिया गया था।

कृषि योजनाओं का लाभ लेने हेतु डिजिटल किसान आईडी कार्ड बनवाना अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार द्वारा एग्रीस्टैक पहल के अंतर्गत किसानों के लिए डिजिटल किसान आईडी कार्ड बनाना अनिवार्य किया जा रहा है निकट भविष्य में विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए किसान आईडी आवश्यक होगी कलेक्टर राहुल वेंकट ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसान आईडी निर्माण के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाते हुए किसानों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें जिले के सभी कृषकों से शीघ्र अपना डिजिटल किसान आईडी कार्ड बनवाने की अपील की गई हैए ताकि वे शासन की योजनाओं से वंचित न रहें डिजिटल किसान आईडी कार्ड के माध्यम से किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधिए कृषि अनुदान एवं अन्य शासकीय योजनाएं सेवा सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय कृषि ऋण सहित विभिन्न कृषि सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा किसान आईडी बनवाने हेतु बी.1 ;खसरा.खतौनीद्ध आधार कार्ड तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर आवश्यक दस्तावेज के रूप में निर्धारित किए गए हैं इच्छुक किसान अपने नजदीकी लोक सेवा केंद्र ;सीएससीद्ध में जाकर पंजीयन करा सकते हैं या अधिक जानकारी के लिए अपने क्षेत्र के कृषि अधिकारी अथवा कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

अवैध रेत उत्खनन और परिवहन.. हाईवा-ट्रैक्टर जब्त खनिज विभाग के अफसरों पर मिलीभगत के आरोप

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। रेत माफियाओं के तहसीलदार पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास के बाद अवैध रेत उत्खनन और परिवहन रोकने खनिज विभाग ने सक्रियता दिखाई टीम ने घुटकू, सेंदरी सहित रतनपुर इलाके में छापेमारी की इस दौरान अवैध रेत परिवहन करने वाले तीन हाईवा और तीन ट्रैक्टर के साथ ही अवैध रूप से डंप 37 ट्रैक्टर रेत को जब्त किया गया दरअसल, जिले में अरपा और खारून नदी समेत मस्तूरी-पचपेड़ी क्षेत्र स्थित नीलागर और शिवनाथ नदी में बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन चल रहा है स्थानीय जनप्रतिनिधियों के लगातार शिकायतों के बाद भी खनिज विभाग का अमला इसे नजरअंदाज कर रहा था इसके चलते खनिज माफियाओं का हौसला बढ़ गया जबकि, शहर और आसपास के इलाकों में खुलेआम रेत उत्खनन और परिवहन करने लगे हैं बता दें कि जिले में अमलडीहा, उदईबंद, सोढ़ाखुर्द और करहीकछार घाट ही वैध है इसके बावजूद अन्य सभी घाटों से रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है राजनीतिक हस्तक्षेप पर अवैध उत्खनन का आरोप रेत के इस अवैध उत्खनन में सत्ताधारी और विपक्षी दलों के प्रभावशाली लोगों के साथ शराब कारोबारी भी संलिप्त हैं रेत के अवैध उत्खनन को लेकर पिछले दिनों जिला पंचायत सदस्य भारती माली ने भी खनिज विभाग पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया था जिला पंचायत सदस्य ने खनिज विभाग की कार्रवाई को अब तक खानापूर्ति बताते हुए अवैध रेत उत्खनन करने वाले चुनिंदा वाहनों पर कार्रवाई करने का आरोप लगाया था नायब तहसीलदार पर ट्रैक्टर चढ़ाने की थी कोशिश तीन दिन पहले रतनपुर क्षेत्र में नायब तहसीलदार राहुल साहू अपनी टीम के साथ रेत के अवैध उत्खनन पर कार्रवाई करने पहुंचे थे इस दौरान टीम को देखकर अवैध उत्खनन और परिवहन करने वाले ड्राइवर और कर्मचारी नदी से भागने लगे वहीं, एक ट्रैक्टर को रोकने पर उसमें सवार ड्राइवर रेत खाली कर भागने लगा इस दौरान नायब तहसीलदार राहुल साहू ने उसे रोकने की कोशिश की लेकिन ड्राइवर गाड़ी रोकने के बजाय नायब तहसीलदार को कुचलने का प्रयास करते हुए भाग निकला नायब तहसीलदार ने इस मामले की शिकायत रतनपुर थाने में दर्ज कराई थी कलेक्टर की सख्ती के बाद मैदान में उतरे विभाग के अफसर लगातार मिल रही शिकायतों पर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने खनिज विभाग के अफसरों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पीएम आवास योजना शहरी 2.0 को मिली रफ्तार जिले में 1278 परिवारों को मिलेगा पक्का घर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत एमसीबी जिले के शहरी क्षेत्रों में बेघर, आवासहीन एवं कच्चे मकानों में रहने वाले पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा पहल तेज कर दी गई है जिले के सभी नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों से पात्र हितग्राहियों के आवेदन शीघ्र मंगाने का आग्रह किया गया है, ताकि योजना की आवेदन प्रक्रिया को और गति दी जा सके भारत सरकार द्वारा एमसीबी जिले को कुल 1278 आवासों का लक्ष्य प्रदान किया गया है, जिससे सैकड़ों परिवारों के पक्के घर का सपना साकार होगा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार नगर पालिक निगम में 710, नगर पालिका परिषद में 275, नगर पंचायत खोंगापानी में 145, नगर पंचायत जनकपुर में 40, नगर पंचायत झगराखांड में 64 तथा नगर पंचायत नईलेदरी में 44 आवासों का लक्ष्य तय किया गया है पात्र हितग्राही पीएमएवाई-यू 2.0 के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं वहीं सुविधा के लिए संबंधित नगरीय निकाय कार्यालयों में ऑफलाइन आवेदन की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है आवेदन के लिए मुखिया एवं परिवार के सदस्यों के आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, 100 रुपये के स्टाम्प पर नोटरी शपथ पत्र, बैंक पासबुक की प्रति सहित आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य हैं पात्रता के अनुसार आवेदक की वार्षिक आय 3 लाख रुपये से कम होनी चाहिए तथा उसके नाम से किसी भी शहरी क्षेत्र में पक्का मकान नहीं होना चाहिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के तहत नवीन डीपीआर प्रेषित किए जाने हेतु कुल 1278 के अद्यतन लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 134 आवासों की डीपीआर प्रेषित की जा चुकी है।

उपद्रवियों ने की आगजनी, पुलिस ने पाया काबू: IG का वार्षिक निरीक्षण के दौरान बलवा ड्रिल; वाहनों का माइलेज चेक किए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। ग्वालियर जोन के महानिरीक्षक (IG) अरविंद कुमार सक्सेना दो दिवसीय वार्षिक निरीक्षण के लिए शिवपुरी पहुंचे गुरुवार को उन्होंने पुलिस परेड ग्राउंड में परेड की सलामी ली और बलवा ड्रिल (दंगा नियंत्रण अभ्यास) का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने पुलिस वाहनों की स्थिति जांची और जवानों की फिटनेस का भी रियलिटी चेक किया निरीक्षण के समय पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ भी उनके साथ मौजूद रहे गुरुवार को आईजी ने पुलिस परेड ग्राउंड में परेड का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की यूनिफॉर्म, टर्नआउट तथा फिटनेस का बारीकी से अवलोकन किया उन्होंने बेहतर यूनिफॉर्म और फिट जवानों की सराहना करते हुए परेड की सलामी ली महानिरीक्षक बलवा ड्रिल की रिहर्सल में भी शामिल हुए इस ड्रिल में एक दुर्घटना के बाद स्थिति बिगड़ने की काल्पनिक स्थिति तैयार की गई थी रिहर्सल के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा आगजनी की स्थिति निर्मित की गई, जिसे पुलिस टीम ने मुस्तैदी से नियंत्रित करने का अभ्यास किया वाहनों के सायरन और माइलेज की जानकारी ली आईजी सक्सेना ने पुलिस वाहनों का भी गहन निरीक्षण किया उन्होंने वाहनों में मौजूद आवश्यक उपकरणों, सायरन की स्थिति, टायरों की हालत, माइलेज और अब तक चली दूरी के बारे में जानकारी ली निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए पुलिस सम्मेलन में सुनीं समस्याएं निरीक्षण के बाद आईजी ने पुलिस बैंड का जायजा लिया और दल को दिशा-निर्देश दिए उन्होंने पुलिस सम्मेलन में भी भाग लिया, जहां सभी थाना प्रभारियों उपनिरीक्षकों और पुलिस जवानों से सीधा संवाद किया।

पश्चिम बंगाल के मछली व्यवसायियों को बंधक बनाकर लूट,2 गिरफ्तार

सरगुजा(निप्र)। पश्चिम बंगाल से मछली का कारोबार करने आए दो व्यापारियों को सरगुजा में कुछ युवकों ने अगवा कर लिया और बंधक बना लिया। इनके पास से 35 हजार रुपए नगद लूट ली। युवकों ने दोनों व्यापारियों को जान से मारने की धमकी दी और दो लाख रुपए की मांग की। दबाव में आकर व्यापारियों ने यूपीआई से पैसे ट्रांसफर कर दिए। गुरुवार सुबह दोनों व्यापारियों को छोड़ दिया गया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के 24 परगना से मछली व्यवसायी अरुप दास अपने साथी के साथ अंबिकापुर पहुंचे थे। दोनों बस स्टैंड के पास मानस होटल में रुके और घूम-घूम कर स्थानीय मछली विक्रेताओं से संपर्क कर रहे थे। बुधवार 3 फरवरी की शाम वे मौलवी बांध तालाब की ओर मछली देखने जा रहे थे। तभी एक स्कूटी और एक बाइक पर सवार 4 युवक मौके पर आए और दोनों को रोककर पूछताछ करने लगे। युवकों को व्यापारियों ने बताया कि वे कोलकाता से आए मछली व्यापारी हैं। इसके बाद युवकों ने अरुप कुमार और उसके साथी से 35 हजार रुपए नगद, मोबाइल और पर्स लूट लिए। दोनों को जान से मारने की धमकी देकर एक कमरे में बंद कर दिया। युवकों ने व्यापारियों से दो लाख रुपए की मांग की और कहा कि पैसे नहीं दिए तो उन्हें मार देंगे। धमकाने के बाद उन्होंने व्यापारियों के UPI अकाउंट से एक लाख रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करा लिए। गुरुवार सुबह दोनों व्यापारियों को छोड़ दिया गया और युवक वहां से भाग गए।

रायसेन में न्यूनतम तापमान 12 से 8 डिग्री पर पहुंचा

पहाड़ी बर्फबारी से ठिठुरन बढ़ी, फसलों को ओस से फायदा

मीडिया ऑडीटर ,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। बुधवार को दिनभर चली बर्फीली हवाओं के बाद रात के तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार सुबह कड़ाके की ठंड के बीच जिले में पेड़-पौधों पर ओस की बूंदें जमी नजर आईं।

रात का तापमान 8 डिग्री तक गिरा : बीती रात रायसेन जिले में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं दिन का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंडी हवाओं के चलते सुबह और रात के समय ठंड का असर ज्यादा महसूस किया गया।

बर्फीली हवाओं से बढ़ी ठिठुरन : बुधवार को दिनभर उत्तर दिशा से बर्फीली हवाएं चलती रहीं। इन हवाओं के कारण रात में ठंड अचानक बढ़ गई। सुबह के समय खुले इलाकों और खेतों में ओस की मोटी परत देखने को मिली। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती परिसंचरण प्रणाली के कारण मौसम में यह बदलाव आया है। पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी के बाद ठंडी हवाएं मैदानी क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं।

आने वाले दिनों में कोहरा और बादल : मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि आगामी दिनों में जिले में हल्का कोहरा छाने के साथ बादल भी दिखाई दे सकते हैं। तापमान में इसी तरह उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। कृषि विभाग का कहना है कि मौजूदा मौसम रबी सीजन की फसलों के लिए अनुकूल साबित हो रहा है। रात में गिर रही ओस से गेहूं की फसलों को विशेष लाभ मिल रहा है, जिससे पौधों की बढ़वार अच्छी हो रही है।

किसानों को अब भी पानी की जरूरत : हालांकि किसानों का कहना है कि इस सीजन में जिले के कुछ क्षेत्रों में केवल एक बार ही मावठे की बारिश हुई है। फसलों की बेहतर सिंचाई के लिए उन्हें अभी और पानी की आवश्यकता महसूस हो रही है। किसान मौसम की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। यदि आने वाले दिनों में हल्की बारिश या ओस बनी रहती है, तो फसलों को और फायदा मिलने की उम्मीद है।

नवोदय : 9वीं-11वीं परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी

नर्मदापुरम,(निप्र)। पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पवारखेड़ा में कक्षा 9वीं और 11वीं में प्रवेश के लिए परीक्षा 7 फरवरी 2026 को होगी। परीक्षा शनिवार को सुबह 11:15 बजे से शुरू होगी। इसके लिए एडमिट कार्ड ऑनलाइन जारी कर दिए गए हैं। जिन छात्रों ने आवेदन किया है, वे navodaya.gov.in वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। किसी भी कंप्यूटर सेंटर से यह डाउनलोड किया जा सकता है। जिले में दो परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। पहला, पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पवारखेड़ा और दूसरा, माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर पवारखेड़ा। दोनों केंद्र जिला नर्मदापुरम में स्थित हैं। परीक्षार्थियों को सुबह 10:45 बजे तक अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य है। प्रवेश पत्र में जो परीक्षा केंद्र लिखा है, छात्र को उसी केंद्र पर परीक्षा देनी होगी।

हरदा में 84 मकान-दुकानों को प्रशासन ने गिराया:रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के लिए हटाया अतिक्रमण

हरदा (निप्र)। हरदा जिले की टिमरनी तहसील मुख्यालय के वार्ड नंबर तीन में गुरुवार सुबह प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई छिदगांव-हरदा रोड पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए की गई। मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

कलेक्टर के निर्देश पर हुई कार्रवाई : कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देश पर एसडीएम संजीव कुमार नागू के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। प्रशासन ने रेलवे ओवरब्रिज की जद में आ रहे कुल 84 आवासीय और व्यावसायिक ढांचों को हटाना शुरू किया। यह सभी निर्माण शासकीय भूमि पर बताए गए हैं।

पहले दिए गए थे नोटिस : तहसीलदार श्वेता बमोरे ने बताया कि जिन लोगों के निर्माण हटाए जा रहे हैं, उन्हें 15 दिन पहले नोटिस दिए गए थे। इसके बाद उनकी पेशी भी हुई और बेदखली का आदेश जारी किया गया था। आदेश में एक सप्ताह के भीतर मकान और दुकानें हटाने के निर्देश दिए गए थे। गुरुवार सुबह मुनादी कराने के बाद कार्रवाई शुरू की गई। अतिक्रमण हटाने के दौरान स्थानीय लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बहस भी हुई। रहवासियों का आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें दुकानों में रखा सामान हटाने का पूरा मौका नहीं दिया और सुबह से ही तोड़फोड़ शुरू कर दी गई।

एसडीएम से संपर्क नहीं हो सका : इस पूरे मामले पर एसडीएम संजीव कुमार नागू से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ। प्रशासन की कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है।

सागर में ट्राली चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार

घर के बाहर खड़ी ट्राली को ट्रैक्टर की मदद से लेकर भागे थे आरोपी

सागर,(निप्र)। सागर की नरयावली थाना पुलिस ने ट्राली चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी गई ट्राली बरामद की गई है। साथ ही वारदात में उपयोग किया गया ट्रैक्टर जब्त किया है। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार, फरियादी भवानी टोंटे निवासी वार्ड क्रमांक-20 नरयावली ने थाने में आकर शिकायत की। शिकायत में बताया कि वह खेती किसानी करता है। 29 जनवरी की रात करीब 9 बजे मैंने अपनी ट्राली लखन पटेल के मकान के बाजू में रोज की तरह खड़ी की थी। ट्रैक्टर अपने घर ले आया था। दूसरे दिन सुबह जब मैं अपनी ट्राली उठाने के लिए पहुंचा तो वहां ट्राली नहीं मिली।

आसपास और मोहल्ले वालों से ट्राली के संबंध में पूछताछ की। लेकिन कुछ पता नहीं चला। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। वारदातस्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। जांच के दौरान कुछ संदिग्धों के नाम सामने आए। जिसके आधार पर पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की।

चोरी कर बेच दी थी ट्राली : संदेह के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस राजकुमार उर्फ राज पिता पूरन कोरी उम्र 25 साल, शिवम पिता रूपसिंह सेन उम्र 19 साल और नूर पिता सलीम खान उम्र 22 साल तीनों निवासी सागर को हिरासत में लिया। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने ट्राली चोरी करना और उसे बेचने की बात स्वीकार की।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गई ट्राली को बरामद किया। उनके कब्जे से वारदात में उपयोग किया ट्रैक्टर जब्त किया गया। नरयावली थाना प्रभारी कपिल लाक्षाकार ने बताया कि चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया है।

3 दिन में सड़क से हटेगा सब्जी बाजार रामलीला मैदान के पास होगा शिफ्ट

रायसेन(निप्र)। शहर की मुख्य सड़कों पर फैले सब्जी बाजार को नगर पालिका अब रामलीला मैदान के पास खाली पड़ी जगह पर शिफ्ट करेगी।

नपा सीएमओ सुरेखा ने बताया कि तीन दिन में प्रस्तावित स्थल की सफाई कर दुकानों के लिए जगह चिन्हित कर दी जाएगी। सब्जी विक्रेताओं की मांग के अनुसार वहां बिजली और पानी की व्यवस्था भी की जा रही है। शहर की मुख्य सड़क पर फुटपाथी दुकानों के कारण 80 फीट चौड़ी सड़क पर 30 से 40 फीट तक जगह घिर जाती थी। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा था।

चलती ट्रेन से फिसला यात्री, आरपीएफ जवान ने बचाई जान

इटारसी (निप्र)। इटारसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-5 पर बुधवार सुबह 10:30 बजे बड़ा हादसा टल गया। पुणे से सुपौल जा रही ट्रेन 11401 के कोच बी-1 में चढ़ते समय एक यात्री का पैर फिसल गया। वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंसकर घिसटने लगा। ट्रेन रफ्तार पकड़ रही थी। यात्री ने कोच का हैंडल पकड़ रखा था। थोड़ी भी चूक होती तो वह पहियों के नीचे आ जाता। उसी समय ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ जवान भूरा सिंह गुर्जर दौड़े। उन्होंने जान की परवाह किए बिना यात्री को खींचकर बाहर निकाला। इस दौरान जवान खुद भी गिर पड़े, लेकिन पकड़ नहीं छोड़ी। करीब 30 सेकंड तक सांसें थमी रहीं। प्लेटफॉर्म पर मौजूद लोग दहशत में आ गए। जवान की फुर्ती और साहस से एक जान बच गई। लोग उन्हें देवदूत कहकर सराहते रहे। इटारसी। यात्री को बचाने के लिए प्रयास करते हुए आरपीएफ के जवान।

महिला क्लर्क के सरकारी मकान में चोरी ज्वेलरी और कैश चुराया

मुहं पर कपड़ा बांधे दिखे तीन लोगबाथरुम की जाली तोड़ घुसे चोर,

मीडिया ऑडीटर रतलाम,(निप्र)। रतलाम के जावरा में पोलिटेक्निक कॉलेज में पदस्थ महिला क्लर्क के सरकारी मकान पर चोरी की वारदात हो गई। वारदात के समय क्लर्क अपनी दो बेटियों के साथ घर में ही सोई थी।चोर बाथरुम की खिड़की की जाली तोड़ घर में घुसे। आलमारी से सोने-चांदी की ज्वेलरी व करीब 33 हजार रुपए नगदी चुरा ले गए। वारदात जावरा सिटी थाना अंतर्गत क्षेत्र की है। क्लर्क की रिपोर्ट पर थाने पर अज्ञात के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज की है। चोरी की घटना

मंगलवार-बुधवार तड़के 4 बजे की है। महिला क्लर्क पोलेटेक्निक कॉलेज जावरा के परिसर में शासकीय मकान में अपनी दो बेटियों के साथ रहती है। 4 फरवरी की रात करीबन 12.30 बजे खाना खाकर वह बेटियों के साथ सो गई थी। सुबह करीब 4 बजे अज्ञात व्यक्ति मकान के साईट में बाथरुम की खिडकी की जाली तोडकर घर में घुस गए। जिस कमरे में क्लर्क अपनी बेटियों के साथ सो रही थी उसके पास वाले कमरे में रखी अलमारी में से बदमाश सोने के दो मंगलसुत्र, सोने की कान की बाली, सोने की एक अंगुठी व चांदी के जेवर करीबन आधा किलो चुरा ले गए। साथ ही 33 हजार रुपए नगदी भी चुरा ले गए।

आवाज आने पर खुली नींद : घर मे आवाज आने पर क्लर्क की नींद खुली। पास के कमरे में जाकर देखा तो अलमारी का सारा सारा सामान बिखरा था। घर के बाहर देखा तो जाते हुए तीन व्यक्ति दिखे। जिन्होंने अपना चेहरा बांध रखा था। इसके बाद उन्होंने पडोसियों को सूचना दी। पड़ोसी आए। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आसपास चोरों की तलाश में जुटी। बुधवार रात अज्ञात बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया।

छतरपुर में कड़ाही में गिरा तीन साल का बच्चा,बचाने में मां भी झुलसी

छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में घर के आंगन में सब्जी बनाते समय 3 साल का मासूम बच्चा कड़ाही के खोलते तेल में गिर गया। बच्चे को बचाने की कोशिश में उसकी मां भी गंभीर रूप से झुलस गई। हादसे के बाद परिजनों ने आनन-फानन में दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि मां की हालात स्थिर बताई जा रही है। घटना जिले के पड़ोसी राज्य यूपी के महोबा जिले के ग्राम कैमाहा की है। जानकारी के अनुसार बुधवार को धर्मदास कुशवाहा के घर के आंगन में चूल्हे पर कड़ाही में सब्जी बनाई जा रही थी। इसी दौरान उनका 3 साल का बेटा मंगल पास में खेल रहा था। खेलते-खेलते अचानक

उसका संतुलन बिगड़ गया और वह उबलती सब्जी से भरी कड़ाही में जा गिरा। हादसा इतना भयावह था कि बच्चा कमर के नीचे से बुरी तरह झुलस गया। बच्चे को बचाने में उसकी मां रानी कुशवाहा भी बुरी तरह जल गई। उसका बायां हाथ गंभीर रूप से जल गया। परिजनों ने तुरंत दोनों को समीपस्थ छतरपुर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बर्न वार्ड में भर्ती कर लिया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे को गहरे जलने की चोटें आई हैं । जिससे उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं मां का उपचार जारी है और वह खतरे से बाहर बताई जा रही है।

शादी समारोह में आए व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या

जबलपुर (निप्र)। जबलपुर से करीब 35 किमी दूर ग्राम मादा में शादी समारोह में शामिल होने आए 40 वर्षीय व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सुनील अहिरवार निवासी ग्राम गौर हिनौती के रूप में हुई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसडीओपी लोकेश डाबर ने बताया कि सुनील बुधवार को अपने दोस्तों के साथ अहिरवार समाज के शादी समारोह में शामिल होने ग्राम मादा आया था। रात करीब 2 बजे उसके साथियों ने उसे सड़क किनारे लहूलुहान हालत में देखा और तुरंत पाटन स्वास्थ्य केंद्र ले गए। हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

डांस को लेकर हुआ था विवाद : प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बारात निकलने के दौरान डीजे पर डांस को लेकर सुनील का कुछ लोगों से विवाद हुआ था। मौके पर मौजूद लोगों ने विवाद शांत करा दिया और बारात आगे बढ़ गई, लेकिन इसी बीच सुनील भीड़ से गायब हो गया। बारात लगने के बाद जब दोस्तों ने तलाश की तो वह सड़क किनारे खून से सना मिला।

पुलिस ने शुरू की जांच : सूचना मिलते ही पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के साथियों व शादी में शामिल लोगों से पूछताछ की। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

खरगोन में 10 फरवरी से बारिश की संभावना

बालियों में गेहूं, तैयार चना 3.10 लाख हेक्टेयर रबी फसल पर खतरा

मीडिया ऑडीटर खरगोन,(निप्र)। खरगोन जिले में पश्चिमी विक्षोभ के असर से मावठे की बारिश की आशंका बढ़ गई है। मौसम विभाग ने 10 फरवरी से जिले में मावठे की संभावना जताई है। इससे जिले में करीब 3.10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी रबी की फसल पर संकट मंडराने लगा है। मौसम की इस चेतावनी के बाद किसानों की चिंता बढ़ गई है।

सुबह छाई रही हल्की धुंध : गुरुवार सुबह जिले में हल्की धुंध देखने को मिली। इसका असर सुबह करीब 8:30 बजे तक बना रहा। धुंध के कारण सुबह के तापमान में हल्की बढ़ोतरी हुई, जिससे तेज ठंड से लोगों को कुछ राहत मिली। पिछले पांच दिनों से जिले का न्यूनतम तापमान करीब 12 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है। मौसम में उतार-चढ़ाव जरूर है, लेकिन फिलहाल

कड़ाके की ठंड नहीं पड़ रही है। इस समय खेतों में गेहूं की फसल बालियां निकाल चुकी है और दाना भरने की अवस्था में है। वहीं चना की फसल भी लगभग तैयार हो चुकी है। ऐसे समय में मौसम का बदलाव किसानों के लिए चिंता का कारण बन गया है।

धुंध से फसलों को ज्यादा नुकसान नहीं : कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, हल्की धुंध का फसलों पर कोई खास नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। हालांकि यदि मावठे की बारिश होती है तो गेहूं और चना जैसी तैयार फसलें खराब हो सकती हैं। किसान भाव सिंह ने बताया कि उन्होंने पांच एकड़ भूमि में बंटाई पर गेहूं की फसल बोई है। यदि मावठे की बारिश हुई तो फसल को भारी नुकसान होगा और लागत निकालना भी मुश्किल हो जाएगा।

पिछले सप्ताह ओलावृष्टि से पहले ही नुकसान : जिले के कसरावद क्षेत्र में पिछले सप्ताह ओलावृष्टि और बारिश से फसलों को पहले ही भारी नुकसान हो चुका है। इससे किसान अभी तक उबर भी नहीं पाए हैं। मोगांवा, दोगावां, टिगरियाव, गवला, नावडाटोड़ी, बलगांव, अहिल्यापुरा, माकड़खेड़ा सहित 16 गांवों में सैकड़ों एकड़ क्षेत्र में गेहूं, चना, मक्का, केला और सब्जी की फसलें प्रभावित हुई थीं।

तापमान का पांच दिन का रिकॉर्ड : पिछले पांच दिनों में जिले का अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है, जबकि न्यूनतम तापमान 11 से 12.6 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। किसान अब मौसम की अगली चाल पर नजर लगाए हुए हैं। यदि मावठे की बारिश नहीं होती है तो फसलों को राहत मिलेगी, लेकिन बारिश हुई तो नुकसान और बढ़ सकता है।

सीहोर में सड़क पर झूल रहे बिजली के तार

सीहोर(निप्र)। सीहोर के कृषि उपज मंडी क्षेत्र में बिजली वितरण कंपनी के रखरखाव कार्य के दौरान गंभीर लापरवाही सामने आई है। सड़क पर बिजली के तार झूलते नजर आ रहे हैं, जबकि कर्मचारी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के काम कर रहे हैं। इस स्थिति से कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। यह काम शहर के कृषि उपज मंडी इलाके में चल रहा है। बिजली के खंभों से जुड़े तार सड़क तक लटक रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद न तो रास्ता बंद किया गया है और न ही किसी तरह की बैरिकेडिंग की गई है। इससे पैदल राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि काम कर रहे कर्मचारियों के पास हेलमेट, दस्ताने या अन्य सुरक्षा साधन नहीं हैं। जब राहगीरों ने इस बारे में मौके पर मौजूद कार्य सुपरवाइजर से सवाल किया, तो उन्होंने बताया कि ठेकेदार द्वारा सुरक्षा उपकरण और बैरिकेड की व्यवस्था नहीं की गई है।

जबलपुर में गैस सिलेंडर कालाबाजारी उजागर, 12 एजेंसियों को नोटिस-ग्राहक बनकर जांच में कीमत से अधिक वसूली

जबलपुर (निप्र)। जबलपुर कलेक्टर कार्यालय को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि घरेलू गैस सिलेंडर तय दर से अधिक कीमत पर बेचे जा रहे हैं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर जांच कराई गई, जिसमें सामने आया कि शहर की कई रसोई गैस एजेंसियां ग्राहकों से प्रति सिलेंडर 150 से 200 रुपए तक अधिक वसूली कर रही हैं। शुरुआती जांच में शिकायतें सही पाए जाने के बाद बुधवार को कलेक्टर ने अधिकारियों को ग्राहक बनाकर गैस एजेंसियों में भेजा। जांच अधिकारी खाली सिलेंडर लेकर एजेंसियों पर पहुंचे और भरे हुए सिलेंडर की मांग की। इस दौरान न केवल अधिक राशि वसूल की गई, बल्कि पूरे मामले के वीडियो भी बनाए गए, जिन्हें बाद में कलेक्टर को सौंपा गया। जांच में यह पाया गया कि शहर की 12 गैस एजेंसियों द्वारा निर्धारित दर 860 रुपए के स्थान पर 1,000 से 1,100 रुपए तक लेकर घरेलू गैस सिलेंडर बेचे गए। इतना ही नहीं, गैर-पंजीकृत उपभोक्ताओं को भी सिलेंडर उपलब्ध कराए गए।

डब्ल्यूपीएल 2026 फाइनल: पहली ट्रॉफी की तलाश में दिल्ली कैपिटल्स, आमने-सामने होंगी जेमिमा-स्मृति

वडोदरा एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक होने वाला है। यहां बीसीए स्टेडियम (कोटांबी) में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। डीसी पहली बार डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी जीतने उतरेगी, जबकि आरसीबी अपने शानदार अभियान को खिताब के साथ खत्म करना चाहेगी। शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, स्मृति मंधाना, और ऋचा घोष जैसे भारतीय सितारे मंच सजाएंगे, जबकि मारिजाने कैप और लॉरा वोल्वार्ड्ट जैसी विदेशी खिलाड़ी मुकाबले को और खास बनाएंगी। जब जेमिमा और स्मृति आमने-सामने होंगी, तब मैदान पर दोस्ती और प्रतिस्पर्धा का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। दिल्ली कैपिटल्स का फाइनल तक का सफर आसान नहीं रहा। कई मुकाबलों में %करो या मरो% की स्थिति से गुजरते हुए डीसी ने फाइनल में जगह बनाई है। यह उनका चौथा प्रयास है, और टीम पर दबाव भी उतना ही ज्यादा रहा है। वहीं आरसीबी ने पूरे टूर्नामेंट में दबदबा दिखाया। आठ में से छह मैच जीतकर ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली आरसीबी आत्मविश्वास से भरी हुई है। एलिस पेरी की गैरमौजूदगी में ग्रेस हैरिस ने शानदार प्रदर्शन कर टीम को मजबूती दी है।

दोनों टीमों की रणनीति भी अलग-अलग नजर आ रही है। आरसीबी पूनम वस्त्राकर को विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में उतार सकती है। अरुंधति रेड्डी की वापसी और लेग स्पिनर प्रेमा रावत की संभावित एंट्री से टीम को अतिरिक्त विकल्प मिल सकते हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स अपने सफल संयोजन से छेड़छाड़ नहीं करना चाहती और पूरे सीजन में इस्तेमाल किए गए 13 खिलाड़ियों पर ही भरोसा जता सकती है। मैच की शुरुआत में शेफाली वर्मा और लिजेल ली की जोड़ी बनाम आरसीबी की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल की टक्कर खास रहेगी। नई गेंद से बेल काफी खतरनाक साबित हुई हैं। पावरप्ले में शेफाली और ली की आक्रामक बल्लेबाजी दिल्ली की जीत की कुंजी रही है, खासकर बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय। आरसीबी के लिए कप्तान स्मृति मंधाना की भूमिका बेहद अहम होगी। उनकी निरंतरता टीम को तीसरा खिताब दिला सकती है। यह जीत भारतीय क्रिकेट में उनकी लीडरशिप को और मजबूत बना सकती है। वहीं ग्रेस हैरिस का स्ट्राइक रेट 181 रहा है, जो 50 से ज्यादा गेंद खेलने वाली बल्लेबाजों में सबसे बेहतर है। दिल्ली की नंदिनी शर्मा 16 विकेट के साथ डब्ल्यूपीएल 2026 में भारतीय गेंदबाजों में सबसे आगे हैं।

आंकड़े भी मुकाबले को और रोचक बनाते हैं। जिन मैचों में शेफाली और ली की 50 से ज्यादा रन की साझेदारी हुई है, उनमें दिल्ली अजेय रही है। वहीं, आरसीबी की डेथ ओवर गेंदबाजी सबसे किफायती रही है, जिसका इकॉनमी रेट 8.27 है, जबकि दिल्ली 8.37 के साथ दूसरे स्थान पर है। वडोदरा की पिच पर घास की अच्छी परत है, जो स्पिनरों को मदद दे सकती है। ओस का असर इस बार कम रहने की उम्मीद है, लेकिन हालात तेजी से बदल सकते हैं। ऐसे में रणनीति और फैसले निर्णायक होंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आरसीबी अपनी जीत की लय बरकरार रखेगी या दिल्ली कैपिटल्स इतिहास रचते हुए पहली बार डब्ल्यूपीएल खिताब जीतेगी?

अंडर 19 वर्ल्ड कप

आरोन का शतक, अफगानिस्तान को 7 विकेट से रौंदकर 10वीं बार फाइनल में भारत

नई दिल्ली एजेंसी। आरोन जॉर्ज की शतकीय पारी के साथ भारत ने अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल-2 में अफगानिस्तान के विरुद्ध 7 विकेट से जीत हासिल की। इसी के साथ टीम इंडिया ने 10वीं बार खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है, जहां उसका सामना 6 फरवरी को इंग्लैंड से होगा। बुधवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए अफगानिस्तान ने 4 विकेट खोकर 310 रन बनाए। इस टीम को उस्मान सादात और खालिद अहमदजई की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की। अहमदजई 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यहां से सादात ने फैसल शिनोजादा के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 117 के स्कोर तक पहुंचाया। सादात ने 39 रन टीम के खाते में जोड़े। अफगान टीम ने 117 के स्कोर तक 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से शिनोजादा ने उजैरउल्लाह नियाजी के साथ 130 गेंदों में 148 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। शिनोजादा 93 गेंदों में 15 चौकों के साथ 110 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि उजैरउल्लाह नियाजी ने 86 गेंदों में 2 छक्कों और 12 चौकों के साथ 101 रन की नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। विशाल स्कोर का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 41.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। वैभव सूर्यवंशी ने आरोन जॉर्ज के साथ 9.3 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की। वैभव 33 गेंदों में 68 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 9 चौके शामिल थे। इसके बाद जॉर्ज ने कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ दूसरे विकेट के लिए 114 रन जुटाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया। कप्तान म्हात्रे 59 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 62 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद जॉर्ज ने विहान मल्होत्रा के साथ तीसरे विकेट के लिए 96 रन जुटाकर भारत को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। जॉर्ज 104 गेंदों में 2 छक्कों और 15 चौकों के साथ 115 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद विहान मल्होत्रा ने 47 गेंदों में 38 रन की नाबाद पारी खेलते हुए भारत को आसान जीत दिलाई। अफगानिस्तान की तरफ से नूरिस्तानी उमरजई ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि वहीदुल्लाह जादरान ने 1 विकेट चटकाया।

हमारे खिलाड़ी हाई-प्रेशर टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं

धोनी ने भारत को बताया सबसे खतरनाक टीमों में से एक

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की संभावनाओं पर भरोसा जताया है। विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि टीम इंडिया के पास अनुभव, कौशल और संतुलन का सही मिश्रण है। धोनी ने इस बात पर जोर दिया कि टीम की ताकत इस बात पर निर्भर करती है कि खिलाड़ी दबाव वाली स्थितियों को कितनी अच्छी तरह से संभालते हैं और उनका रोल कितने अच्छे से तय है। खिलाड़ी हमेशा मैच के लिए तैयार रहते हैं, चाहे वह बैटिंग हो या बॉलिंग, जिससे भारत को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर एक महत्वपूर्ण बढ़त मिलती है। धोनी ने कहा, ÷यह सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। आप जानते हैं, उन्होंने (भारतीय खिलाड़ी) पहले ही बैटिंग या बॉलिंग शुरू कर दी होगी, लेकिन एक अच्छी टीम में क्या चाहिए? सब कुछ है। उनके पास अनुभव है। खासकर जब इस फॉर्मेट की बात आती है, तो अनुभव बहुत ज्यादा है। उन्होंने दबाव में खेला है। जो भी खिलाड़ी टीम में जो भी भूमिका निभा रहे हैं, वे काफी समय से उस स्थिति में रहे हैं। हालांकि धोनी आशावादी नजर आ रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि ओस व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सबसे सावधानी से बनाई गई योजनाओं को भी खराब कर सकती है। माही के मुताबिक, ओस परिस्थितियों को काफी प्रभावित कर सकती है। टॉस के फैसलों को महत्वपूर्ण बना सकती है, जिससे मैचों में संभावित रूप से अनुचित फायदे हो सकते हैं। धोनी ने कहा, मुझे किस बात की चिंता है? मुझे ओस से नफरत है। ओस बहुत सी चीजें बदल देती है। इसलिए, जब मैं खेलता था, तो एक चीज जो मुझे सच में डराती थी, वह थी ओस। अगर हम कुछ बेहतरीन टीमों के साथ 10 मैच खेलते हैं, तो हम ज्यादातर बार विजेता बनकर उभरेंगे। अगर स्थितियां न्यूट्रल रहती हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने यह भी बताया कि टी20 क्रिकेट अप्रत्याशित होता है, जहां एक खराब खेल या विपक्षी टीम का शानदार प्रदर्शन परिणाम को पूरी तरह से बदल सकता है। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ÷समस्या तब होती है जब आपके कुछ खिलाड़ी अच्छा नहीं खेलते और विपक्षी टीम का कोई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करता है। टी20 ग्रुप में ऐसा हो सकता है। तो, यही वह समय है। चाहे यह लीग स्टेज में हो, चाहे यह नॉकआउट स्टेज में हो, यहीं पर दुआओं की जरूरत होती है। आप जानते हैं, किसी को चोट नहीं लगनी चाहिए। जो भी भूमिकाएं दी गई हैं, लोगों को टीम के लिए अपनी भूमिकाएं निभानी चाहिए।

आईसीसी टी20 रैंकिंग: ईशान ने लगाई 32 पायदान की छलांग, नंबर-1 ऑलराउंडर बने सैम अयूब

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने आईसीसी मेंस टी20 रैंकिंग में 32 पायदान की जबरदस्त छलांग लगाई है, जबकि पाकिस्तान के सैम अयूब ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। ईशान किशन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के साथ लंबे वक्त बाद भारतीय टीम में स्थान मिला। उन्होंने सीरीज के तीन मुकाबलों में 76, 28 और 103 रन की पारी खेली। कुल 207 रन बनाने के साथ ईशान ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक भी लगाया। इस शानदार बल्लेबाजी के साथ ईशान टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले 32वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजों की सूची में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पछाड़कर छठे स्थान पर आ गए हैं। वहीं, ओपनर अभिषेक शर्मा टॉप पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

इस बीच, पाकिस्तान के ओपनर सैम अयूब ने हाल ही में खत्म हुई ऑस्ट्रेलिया सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद टी20 फॉर्मेट की ऑलराउंडर रैंकिंग में टॉप स्थान हासिल किया है। 23 वर्षीय अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज में 119 रन बनाने के साथ 3 विकेट भी हासिल किए। उन्होंने इस शानदार खेल के साथ जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को पछाड़कर शीर्ष स्थान पर कब्जा जमा लिया है। गेंदबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर, अबरार अहमद महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गए। यह दाएं हाथ का गेंदबाज शीर्ष पायदान पर मौजूद वरुण चक्रवर्ती से सिर्फ 28 अंक पीछे है। पाकिस्तान के ऑलराउंडर, मोहम्मद नवाज, जिन्होंने सीरीज में 5 विकेट लिए, गेंदबाजों की रैंकिंग में आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के लेग-स्पिनर आदिल राशिद दो स्थान ऊपर चढ़कर चौथे पायदान पर आ गए हैं। कीवी कप्तान मिचेल सेंटनर आठ स्थान ऊपर चढ़कर रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंच गए। टॉप 10 बल्लेबाजों की सूची में भी अन्य बदलाव हुए। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जोस बटलर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि श्रीलंकाई ओपनर पथुम निसांका ने पांचवां स्थान हासिल कर लिया है। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट नौवें स्थान और साउथ अफ्रीका के ओपनर रयान रिकलेटन 42 पायदान ऊपर चढ़कर 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद में आठ दिवसीय खेल अकादमी चयन स्पर्धा का दूसरे दिन आयोजन

जयपुर एजेंसी। बुधवार को राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में आठ दिवसीय विभिन्न खेल अकादमियों में प्रवेश के लिए चयन स्पर्धा के दूसरे दिन बालक एथलेटिक्स अकादमी-श्रीगंगानगर (42), अजमेर (79), चूरू (35) तथा बालिका एथलेटिक्स अकादमी-जयपुर व बालिका खेल संस्थान-एथलेटिक्स, जयपुर (81), बालिका एथलेटिक्स अकादमी-चूरू (11), बालिका खेल संस्थान-एथलेटिक्स,भरतपुर (14), बालिका खेल संस्थान-एथलेटिक्स, उदयपुर (12)। पैरा खेल अकादमी, एथलेटिक्स व पॉवरलिफ्टिंग (बालक)-जयपुर (17) में कुल 291 खिलाड़ियों ने भाग लिया। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की सचिव नीतू बारूपाल ने बताया कि गुरुवार को 291 एथलीट्स, पैरा एथलीट्स एवं पैरा पॉवरलिफ्टिंग के खिलाड़ियों का स्किल टेस्ट होगा। गुरुवार को ही बालक तीरंदाजी अकादमी उदयपुर व डूंगरपुर और बालिका तीरंदाजी अकादमी-जयपुर व खेल संस्थान उदयपुर-बालिका के लिए ट्रायल में भाग लेने आने वाले तीरंदाज़ों का रजिस्ट्रेशन और मेडिकल करवाने के बाद बैटरी टेस्ट लिया गया। बैटरी टेस्ट में कुल आठ एक्टिविटी है। उन्होंने बताया कि बुधवार को बालक हैंडबॉल अकादमी-जैसलमेर, बालिका हैंडबॉल अकादमी-जयपुर, बालक साइक्लिंग अकादमी-बीकानेर, बालक कुश्ती अकादमी-भरतपुर एवं बालिका खेल संस्थान-कुश्ती, भरतपुर के लिए स्किल टेस्ट लिए गए।

आईसीसी ने पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ब्रॉडकास्ट डिटेल्स की जानकारी दी

दुबई एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी ने पुरुष टी20 विश्व कप के ब्रॉडकास्ट की पूरी योजना जारी कर दी है। इस टूर्नामेंट में 20 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 55 मैच खेले जाएंगे। मुकाबले 7 फरवरी से शुरू होकर 8 मार्च तक चलेंगे। इस टी20 विश्व कप की मेजबानी भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे। दुनिया भर के दर्शक यह टूर्नामेंट टीवी, मोबाइल, डिजिटल प्लेटफॉर्म, रेडियो और नए तकनीकी माध्यमों पर देख और सुन सकेंगे। मुख्य मुकाबलों से पहले होने वाले आधिकारिक अभ्यास मैच भी कुछ टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दिखाए जाएंगे, ताकि दर्शक टूर्नामेंट शुरू होने से पहले टीमों की तैयारी देख सकें। भारत में इस टूर्नामेंट का प्रसारण जियोस्टार करेगा। स्टार स्पोर्ट्स चैनलों पर टीवी पर मैच दिखाए जाएंगे और जियोहॉटस्टार ऐप पर डिजिटल स्ट्रीमिंग होगी। भारत में सभी मैच अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा में उपलब्ध होंगे। इसके अलावा जियोहॉटस्टार पर बंगाली, भोजपुरी और हरियाणवी भाषा में भी कवरेज मिलेगा। भारत के मैचों, सेमीफाइनल और फाइनल का प्रसारण मराठी भाषा और भारतीय सांकेतिक भाषा में भी किया जाएगा।

मोबाइल पर मैच देखने वालों के लिए जियोहॉटस्टार पर वर्टिकल लाइव फीड की सुविधा अंग्रेज़ी और हिंदी में दी जाएगी। इसके साथ ही दर्शक 360 डिग्री व्यू और मल्टी कैमरा विकल्प के जरिए अलग-अलग एंगल से मैच देख सकेंगे। टी20 विश्व कप के दौरान देशभर के

पीवीआरइनॉक्स सिनेमाघरों में भी कुछ मैच दिखाए जाएंगे। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और मालदीव में स्टार स्पोर्ट्स के जरिए मैच देखे जा सकेंगे। सह-मेजबान श्रीलंका में डायलॉग टीवी आधिकारिक प्रसारण साझेदार होगा, जहां सिंहली भाषा में भी कमेंट्री मिलेगी। कवरेज को डायलॉग टीवी के फ्री-टू-एयर पार्टनर, टीवी सुप्रीम, और श्रीलंका टेलीकॉम के पीईओ टीवी प्लेटफॉर्म के ज़रिए और बढ़ाया जाएगा। यूनाइटेड किंगडम और आयरलैंड के फैंस स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट और स्काई स्पोर्ट्स मेन इवेंट पर एक्शन देख सकते हैं, साथ ही नाओ के ज़रिए डिजिटल स्ट्रीमिंग भी उपलब्ध होगी। स्काई स्पोर्ट्स सेमीफाइनल और फाइनल के लिए हिंदी कमेंट्री भी देगा। इसके अलावा, क्योंकि इटली पहली बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में हिस्सा ले रहा है, इसलिए स्काई इटालिया अपने प्लेटफॉर्म पर इटली के सभी मैचों के साथ-साथ सेमीफाइनल और फाइनल का भी लाइव प्रसारण करेगा। दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट फैंस सब-सहारा अफ्रीका में सुपरस्पोर्ट की व्यापक टीवी और डिजिटल सेवाओं के ज़रिए सभी लाइव एक्शन देख सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में, कवरेज प्राइम वीडियो पर होगा, जिसमें भारत के सभी मैचों, सेमीफाइनल और फाइनल के लिए अतिरिक्त हिंदी कमेंट्री फीड उपलब्ध होगी। न्यूजीलैंड के फैंस स्काई स्पोर्ट्स पर मैच देख सकते हैं, जो भारत के सभी मैचों (जिसमें सेमीफाइनल और फाइनल भी शामिल हैं) के लिए हिंदी कमेंट्री भी देगा। पाकिस्तान में, कवरेज पीटीवी और माइको द्वारा प्रदान किया जाएगा, जिसमें डिजिटल पार्टनर्स का सहयोग होगा। इसके अलावा, आईसीसी पाकिस्तान मैचों के लिए एक उर्दू कमेंट्री फीड बनाएगा, जिसका प्रसारण पीटीवी होम पर किया जाएगा और डिजिटल पार्टनर द्वारा स्ट्रीम किया जाएगा। विलो टीवी संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में आईसीसी इवेंट्स का लाइव कवरेज देना जारी रखेगा। सभी 55 मैच अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में स्ट्रीम किए जाएंगे, जिसमें अमेरिका और कनाडा के दर्शकों के लिए सभी मैचों तक मुफ्त पहुंच होगी। ये मैच विलो के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर भी मुफ्त में उपलब्ध होंगे। अंग्रेजी और हिंदी में कमेंट्री विलो डीटीसी और क्रिकबज डीटीसी प्लेटफॉर्म के जरिए उपलब्ध होगी, जबकि अन्य विलो प्लेटफॉर्म पर केवल अंग्रेजी कमेंट्री होगी। लोकप्रिय सोशल मीडिया पर्सनैलिटी जोमबॉय के साथ साझेदारी में, विलो यूएसए बनाम भारत और यूएसए बनाम पाकिस्तान मैचों के लिए फैंस को एक वैकल्पिक कमेंट्री विकल्प देगा। यूएई और बड़े एमईएनए क्षेत्र में, टूर्नामेंट का प्रसारण क्रिकलाइफ मैक्स पर किया जाएगा, जिसे स्टारज्ले के ज़रिए एक्सेस किया जा सकता है। ईएसपीएन कैरेबियन आइलैंड्स में सभी मैचों का लाइव प्रसारण करेगा, जबकि डिज्नी प्लस ऐप पूरे लैटिन अमेरिका में इस इवेंट को स्ट्रीम करेगा। इसके अलावा, ब्राजील में ईएसपीएन के लीनियर टीवी प्लेटफॉर्म पर कुछ मैचों में पुर्तगाली कमेंट्री भी होगी। टोटल स्पोर्ट्स मैनेजमेंट (बांग्लादेश) इस इवेंट का प्रसारण प्रमुख लीनियर चैनलों टी स्पोर्ट्स और नागोरिक टीवी के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म रैबिटहोल पर भी करेगा। अन्य ब्रॉडकास्टर्स में पीएनजी डिजिटल (पैसिफिक आइलैंड्स), हब स्पोर्ट्स 4 (सिंगापुर), और लेमर टीवी (अफगानिस्तान) शामिल हैं, जो पश्तो और दारी में भी कमेंट्री देंगे। नेपाल में, कांतिपुर टीवी टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा, जिसमें कुछ मैच स्थानीय स्तर पर नेपाली में प्रोड्यूस किए जाएंगे। नेपाली कमेंट्री कुछ क्षेत्रों में आईसीसी.टीवी के ज़रिए भी उपलब्ध होगी, जिससे नेपाली बोलने वाले दर्शकों तक पहुंच बढ़ेगी। नीदरलैंड्स में, एनओएस नीदरलैंड्स से जुड़े सभी मैचों को लाइव स्ट्रीम करेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी

रायपुर(निप्र)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मंत्रालय में राज्य कैबिनेट की बैठक के बाद पत्रकार- वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने पत्रकार-वार्ता में कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

भारतीय थल सेना द्वारा अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाइन पंजीयन 1 अप्रैल तक आमंत्रित

रायपुर। भारतीय थल सेना द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के अविवाहित पात्र अभ्यर्थियों से अग्निवीर सैनिक के विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार 1 अप्रैल 2026 तक थल सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अग्निवीर भर्ती के अंतर्गत जनरल ड्यूटी, तकनीकी, ऑफिस असिस्टेंट, ट्रेडमैन, महिला सैन्य पुलिस एवं नियमित कैडर भर्ती के साथ-साथ धर्म गुरु, नर्सिंग सहयोगी तथा हवलदार एसएसी के पदों पर भर्ती की जाएगी। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन लिखित परीक्षा का आयोजन 22 अप्रैल 2026 के बाद संभावित है।

भर्ती हेतु उम्मीदवार की आयु साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता के रूप में किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय अथवा राज्य शिक्षा बोर्ड एवं संस्था से कक्षा 8वीं, 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण, आईटीआई अथवा इंजीनियरिंग डिप्लोमा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। उम्मीदवारों की ऊंचाई, वजन एवं सीने से संबंधित मानक विभिन्न पदों के अनुसार निर्धारित हैं। अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट पद के लिए ऑनलाइन परीक्षा के दौरान टाइपिंग टेस्ट भी आयोजित किया जाएगा।

चयन प्रक्रिया में कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं चिकित्सा परीक्षण शामिल हैं। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी थल सेना की वेबसाइट, सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2965212, 2965213 तथा जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र राजनांदगांव के दूरभाष क्रमांक 07744-299523 से प्राप्त की जा सकती है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ मनोज साहू का घर

रायपुर(निप्र)। जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से नागरिकों को स्वच्छ, सस्ती एवं सतत ऊर्जा का लाभ मिल रहा है। योजना के अंतर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को अधिकतम 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिससे सोलर रूफटॉप प्रणाली आम नागरिकों के लिए अधिक किफायती और सुलभ बन गई है। इसी क्रम में राजनांदगांव जिला के ग्राम खैरा निवासी मनोज साहू ने अपने घर की छत पर 3 किलोवॉट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया है। सोलर पैनल लगने के बाद उनका घर अब प्राकृतिक ऊर्जा से प्रकाशित हो रहा है और पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम हुई है। मनोज साहू ने बताया कि सोलर पैनल स्थापना के बाद उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे प्रतिमाह आर्थिक बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि आम परिवारों के लिए आर्थिक रूप से भी लाभदायक सिद्ध हो रही है। साहू ने कहा कि भविष्य में प्राकृतिक संसाधनों और खनिजों की सीमित उपलब्धता को देखते हुए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अत्यंत उपयोगी और दूरदर्शी योजना है। यह योजना स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है।

राजनीति मतभेद का विषय, मनभेद का नहीं - उपमुख्यमंत्री

द्वेषपूर्ण मामलों की समीक्षा कर, विधि सम्मत प्रक्रिया से लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा आवश्यक - उपमुख्यमंत्री शर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मंत्रालय मे पूर्व शासनकाल के दौरान राजनीतिक संगठन, गैर राजनीतिक संगठन, सामाजिक संगठन और कर्मचारी संगठनों के आंदोलनों से जुड़े दुर्भावनापूर्ण मानसिकता से दर्ज प्रकरणों की वापसी के संबंध में गठित मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित सदस्य अपर मुख्य सचिव गृह मनोज पिंगवा, विधि सचिव सुषमा सावंत, पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी ध्रुव गुप्ता तथा अतिरिक्त निदेशक अभियोजन के. एस. गावस्कर उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राजनीतिक आंदोलनों सहित गैर राजनीतिक संगठन, सामाजिक संगठन और कर्मचारी संगठनों के आंदोलनों के समय दर्ज राजज्ञा उल्लंघन, लोक सेवक के कार्य में बाधा एवं अन्य गंभीर धाराओं से संबंधित प्रकरणों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। उपसमिति द्वारा विभिन्न मामलों को मंत्रिपरिषद के विचारार्थ एवं स्वीकृति हेतु अनुशंसित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही मंत्रिमंडल उपसमिति ने पूर्व में प्रकरण वापसी के लिए अनुशंसित मामलों की सतत निगरानी एवं शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अपर मुख्य सचिव गृह मनोज पिंगवा को दिए। बैठक के पश्चात उपसमिति के अध्यक्ष उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राजनीति में लोकतांत्रिक विरोध का सदैव सम्मान होना चाहिए। राजनीति मतभेद का विषय है, मनभेद का नहीं।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा राजनीतिक दुर्भावना के चलते अनेक मामलों में राजनीतिक कार्यकर्ताओं, गैर राजनीतिक संगठन, सामाजिक संगठन और कर्मचारी संगठन पर प्रकरण दर्ज किए गए थे। राजनीतिक कार्यकर्ताओ के साथ गैर राजनीतिक संगठन, सामाजिक संगठन और कर्मचारी संगठन द्वारा आयोजित आंदोलनों को भी इस प्रक्रिया के शामिल किया जा रहा है, जिनमें आंदोलनरत लोगों के विरुद्ध द्वेषपूर्ण रूप से मुकदमे भी दर्ज हुए थे, उन सभी को वापस लिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने ऐसे द्वेषपूर्ण मामलों की गंभीरता से समीक्षा कर, विधि सम्मत प्रक्रिया के तहत यथासंभव निर्णय लेने का संकल्प लिया है, ताकि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा हो सके और अनावश्यक मुकदमों से जनता को राहत मिल सके।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव सिंह ने किया मनरेगा एवं एनआरएलएम कार्यों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह ने सूरजपुर जिले के प्रवास के दौरान जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चन्दौरा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत किए जा रहे नाला ट्रीटमेंट कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिव सिंह ने गोतकत्वा नाला में निर्मित मिट्टी बांध का अवलोकन किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सूरजपुर ने बताया कि उक्त नाले में कुल 344 कार्य स्वीकृत होकर पूर्ण किए जा चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बांध निर्माण से लगभग 50 हेक्टेयर क्षेत्र में खेती संभव हो सकी है, जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है तथा भू-जल स्तर में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान में ग्रामीण वर्ष में तीन फसलें ले रहे हैं एवं सब्जी उत्पादन कर बाजार में विक्रय कर अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने यह भी जानकारी दी कि बांध में महिला समूह द्वारा मत्स्य पालन किया जा रहा है। साथ ही बांध के ऊपरी छोर पर जनपद पंचायत के सहयोग से क्रेडा द्वारा सोलर पंप उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे सिंचाई सुविधा सुदृढ़ हुई है। इसके पश्चात सचिव श्री सिंह ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) अंतर्गत गौरी महिला स्वयं सहायता समूह, ग्राम पंचायत सरहारी द्वारा कुटीर उद्योग के माध्यम से बनाए जा रहे कुरकुरे एवं पॉपकॉर्न का अवलोकन किया। उन्होंने इस प्रकार की आजीविका गतिविधियों के विस्तार हेतु आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला एवं जनपद स्तर के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पेयजल संकट का स्थायी समाधान, प्रशासनिक तत्परता से मिली राहत

रायपुर (निप्र)। दंतेवाड़ा जिले के विकासखण्ड कुआकोण्डा अंतर्गत ग्राम माहरापारा में वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या का जिला प्रशासन की तत्पर पहल से स्थायी समाधान हो गया है। लगभग 450 की आबादी वाले इस ग्राम में लंबे समय से पेयजल के पर्याप्त स्रोत उपलब्ध नहीं थे। गांव में स्थापित दो हैंडपम्पों से अनियमित जलापूर्ति होती थी, वहीं पूर्व में खनित किए गए आठ नलकूप असफल पाए गए थे। सीमित जल उपलब्धता के कारण ग्रामीणों को बारी-बारी से पानी भरने की विवशता झेलनी पड़ती थी। पेयजल संकट को देखते हुए पूर्व में हवा से पानी बनाने की मशीन भी स्थापित की गई थी, किंतु उससे अपेक्षित लाभ नहीं मिल सका। समस्या के निराकरण हेतु ग्राम के महिला एवं पुरुष जनप्रतिनिधियों ने गत सप्ताह जिला कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव से मुलाकात कर स्थिति से अवगत कराया। कलेक्टर ने विषय की गंभीरता को समझते हुए तत्काल लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पी.एच.ई.) विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशानुसार पी.एच.ई. विभाग दंतेवाड़ा के कार्यपालन अभियंता जगदीश कुमार द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण एवं तकनीकी सर्वे किया गया। इसके पश्चात खनन मशीन के माध्यम

से नया नलकूप खनन कराया गया, जो सफल रहा।

नलकूप से पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध होने से ग्रामवासियों को बड़ी राहत मिली है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं पी.एच.ई. विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस पहल को जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया है।

आत्मनिर्भरता की दिशा में पहल

आवास हितग्राहियों को दिया जा रहा राजमिस्त्री प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बालोद जिले में जिला प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत आवास निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है। इसी क्रम में हितग्राहियों को आत्मनिर्भर बनाने एवं आवास निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजमिस्त्री का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जनपद पंचायत डौण्डी के ग्राम पंचायत गुदुम में आरसेटी बालोद के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों हेतु राजमिस्त्री प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। प्रशिक्षण प्रारंभ होने के पूर्व हितग्राहियों की काउंसलिंग कर निर्धारित मापदण्डों के अनुसार चयन किया गया। चयनित सूची के अंतर्गत कुल 20 हितग्राहियों को प्रशिक्षक द्वारा आवास निर्माण को गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप करने का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।प्रशिक्षण का उद्देश्य न केवल आवास निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति सुनिश्चित करना है, बल्कि हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिए दक्ष बनाना भी है। उल्लेखनीय है कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 2 महिला हितग्राही भी राजमिस्त्री का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

छत्तीसगढ़ में स्टार्टअप्स को मिलेगा बड़ा सपोर्ट

कैबिनेट ने वर्ष 2025-30 की नई स्टार्टअप नीति को दी मंजूरी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य को नवाचार और स्टार्टअप के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम कदम उठाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज महानदी मंत्रालय भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30 को मंजूरी दी गई। इस नीति के लागू होने से राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी और युवाओं को उद्यमिता से जुड़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे। सरकार का कहना है कि अमृतकाल छत्तीसगढ़ विज़न ञ्च2047 के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए राज्य में नवाचार आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना आवश्यक है। अब तक औद्योगिक नीतियों के अंतर्गत स्टार्टअप पैकेज की व्यवस्था थी, लेकिन पृथक स्टार्टअप नीति नहीं होने से इन्क्यूबेशन, निवेश और नवाचार को अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही थी। इसके साथ ही भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी स्टेट्स स्टार्टअप रैंकिंग में भी पृथक नीति का अभाव राज्य के लिए चुनौती बना हुआ था। नई नीति के माध्यम से इस कमी को दूर किया जाएगा। नई स्टार्टअप नीति के तहत केवल राज्य शासन से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप इकाइयों को विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन दिए जाएंगे। शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स को मजबूत करने के लिए प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट वाले स्टार्टअप्स को मिनिमम वायबल प्रोडक्ट विकसित करने हेतु 10 लाख रुपये तक का सीड फंड दिया जाएगा। इसके अलावा राज्य में निवेश की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से 100 करोड़ रुपये का छत्तीसगढ़ स्टार्टअप (कैपिटल) फंड बनाया जाएगा, जिसके माध्यम से स्श्वक्चढ्ढ-पंजीकृत ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स के जरिए स्टार्टअप्स में निवेश किया जाएगा। स्टार्टअप्स को बैंकिंग सहायता से जोड़ने के लिए ?50 करोड़ का क्रेडिट रिस्क फंड भी बनाया जाएगा, जिसके तहत स्टार्टअप इकाइयों को बैंकों से एक करोड़ रुपये तक के संपार्श्विक-मुक्त ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी मिलेगी। इसके साथ ही मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को अधिकतम 50 रुपये लाख तक के सावधि ऋण या कार्यशील पूंजी पर पांच वर्षों तक 75 प्रतिशत ब्याज अनुदान का लाभ दिया जाएगा। स्टार्टअप्स के विस्तार और बाजार तक पहुंच को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप केंद्रित आयोजनों में भाग लेने पर यात्रा, पंजीकरण और बूथ शुल्क सहित कुल खर्च का 50 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर विज्ञापन के लिए किए गए खर्च की भी प्रतिपूर्ति की जाएगी। सफलतापूर्वक निवेश जुटाने वाले स्टार्टअप्स को फंडरेजिंग पर भी अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा।

नई नीति में स्टार्टअप्स को सरकारी खरीद में छूट, भूमि और भवन से जुड़े दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क में छूट तथा इन्क्यूबेशन सेंटर या किराये के भवन में संचालित इकाइयों को तीन वर्षों तक किराया अनुदान देने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही स्थायी पूंजी निवेश, गुणवत्ता प्रमाणीकरण, पेटेंट, परियोजना प्रतिवेदन और सरकारी अनुसंधान संस्थानों से तकनीक क्रय पर भी अनुदान दिया जाएगा। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए नीति में विशेष प्रावधान किए गए हैं। दस से अधिक स्थायी रोजगार देने वाले स्टार्टअप्स को महिला कर्मचारियों के लिए 6,000 रुपये प्रति माह और पुरुष कर्मचारियों के लिए 5,000 रुपये प्रति माह तक की सहायता दी जाएगी। वहीं दिव्यांगजनों, सेवानिवृत्त अग्निवीरों और नक्सल प्रभावित अथवा पीड़ित व्यक्तियों को रोजगार देने वाले स्टार्टअप्स को उनके वेतन का 40 प्रतिशत तक अनुदान पांच वर्षों तक मिलेगा।

उन्नत कृषि तकनीक से मूंगफली उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि विभाग की केन्द्र प्रवर्तित नेशनल मिशन ऑन एडीबल ऑयल-ऑयल सीड योजना मुंगेली जिले के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। योजना के अंतर्गत प्रदाय उन्नत बीज एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाकर मुंगेली विकासखंड के ग्राम बरईदहरा निवासी कृषक श्री नागेश्वर सिंह परिहार ने खरीफ मौसम में मूंगफली उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि प्राप्त करते हुए 1.18 लाख रुपये की आय अर्जित की है। 59 वर्षीय कृषक परिहार स्नातक (बी.ए.) शिक्षित हैं और पारंपरिक कृषि अनुभव के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाने में अग्रसर रहते हैं। उनके पास कुल 2 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें से 1.5 हेक्टेयर क्षेत्र में उन्होंने उक्त योजना के अंतर्गत मूंगफली फसल का उत्पादन किया। कृषि विभाग द्वारा उन्हें 1.5 हेक्टेयर के लिए 150 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता युक्त मूंगफली बीज निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। योजना के तहत विभागीय अमले एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा उन्हें कतार

बोनी, बीजोपचार, जैविक आदानों के उपयोग, गुणवत्तायुक्त बीज चयन तथा समुचित फसल प्रबंधन की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, योजनांतर्गत आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मूंगफली फसल की संपूर्ण शस्य क्रियाएँ, फसल की क्रांतिक अवस्थाएँ, खाद एवं उर्वरक का समन्वित उपयोग तथा बीज उत्पादन के मापदण्डों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में प्राप्त वैज्ञानिक सलाहों को अपनाकर परिहार ने फसल प्रबंधन को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया, जिसके परिणामस्वरूप उनकी मूंगफली फसल का उत्पादन पूर्व वर्षों की तुलना में अधिक रहा। निःशुल्क बीज उपलब्ध होने से बीज क्रय पर होने वाला व्यय भी बचा, जिससे उनकी आय में प्रत्यक्ष वृद्धि हुई। कृषक परिहार ने योजना को अत्यंत उपयोगी बताते हुए अन्य कृषकों से भी शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने की अपील की है।

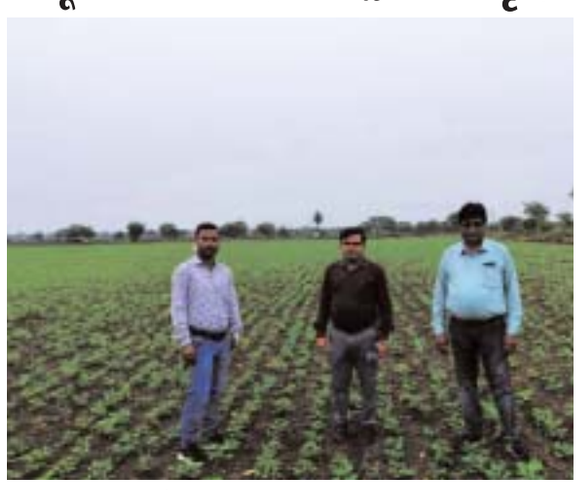

'परीक्षा पे चर्चा 2026': परीक्षा को उत्सव के रूप में मनाने की राष्ट्रीय पहल

6 फरवरी 2026 को प्रातः 10 बजे होगा मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच तथा मानसिक एवं भावनात्मक कल्याण को प्रोत्साहित करते हुए परीक्षा के तनाव को कम करने और परीक्षा के अनुभव को एक उत्सव के रूप में साझा करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विगत 9 वर्षों से 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पालकों के साथ संवाद का एक सशक्त और प्रेरणादायी माध्यम बन चुका है। परीक्षा पे चर्चा 2026 का मुख्य कार्यक्रम 6 फरवरी 2026, गुरूवार को प्रातः 10 बजे से होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पालकों से सीधे संवाद कर परीक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। वर्ष 2026 में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पालकों के कुल 4.50

करोड़ पंजीयन हुए हैं। यह अभूतपूर्व सहभागिता कार्यक्रम की लोकप्रियता विश्वसनीयता तथा इसके व्यापक सकारात्मक प्रभाव का परिणाम है।

इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देश-विदेश में विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से किया जाएगा। इसमें यूट्यूब, फेसबुक लाइव जैसे सोशल मीडिया माध्यमों के साथ-साथ दूरदर्शन, पीएम ई-विद्या टीवी, रेडियो चौनल तथा प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म शामिल हैं। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग सभी जिलों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिले के सार्वजनिक एवं निजी स्थलों पर सामूहिक रूप से कार्यक्रम देखने की व्यवस्था करने तथा व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक वीडियो एवं पोस्टर के नमूने जिलों को उपलब्ध कराए गए हैं।

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ राज्य ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। राज्य से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, पालकों एवं शिक्षकों द्वारा प्रश्न भेजे गए। विशेष रूप से पालकों द्वारा किए गए पंजीयन के मामले में छत्तीसगढ़ ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि में 'अंगना में शिक्षा कार्यक्रम' के अंतर्गत राज्य स्रोत दल द्वारा राज्य की माताओं के समूहों को सक्रिय करने के परिणामस्वरूप पूरे देश में पालकों के पंजीयन में छत्तीसगढ़ राज्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राज्य के महासमुंद जिले की छात्रा कुमारी सृष्टि साहू ने दिल्ली में आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए प्रधानमंत्री जी से प्रत्यक्ष रूप से प्रश्न पूछने का अवसर प्राप्त किया। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गर्व का विषय है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा